संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 320
पृष्ठ 8
मंगलवार
12 अगस्त 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com | सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हैवी इयररिंग्स से अब कान नहीं...
विचार- नाज-ए-हिंद में नजारों का कारवां
खेल- 2025 में शुभमन गिल समेत महज...

मोदी ने किया सांसदों के लिए नए फ्लैटस का उद्घाटन

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के बाबा खड़क सिंह मार्ग स्थित सांसदों के लिए नए फ्लैट्स का उद्घाटन किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर श्री मोदी ने दीप प्रज्जवलित कर नए फ्लैट्स का उद्घाटन कर देश के जनप्रतिनिधियों को समर्पित किया। इस कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, केन्द्रीय मंत्रियों एवं सभी सांसदों का अभिवादन किया गया। सांसदों के लिए चार टावरों में फ्लैट बनाये गये हैं। प्रधानमंत्री ने कहा ये चारों टावरों के नाम देश की प्रमुख नदियों कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली के नाम पर रखा गया है। श्री मोदी ने कहा भारत की चारों प्रमुख नदियों को करोड़ो लोगों को जीवन दायनी माना जाता है। ...अब उनकी प्रेरणा से हमारे जनप्रतिनिधियो के जीवन में आनन्द की नई धारा बहेगी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कोसी नदी का ज़िक्र करने के साथ–साथ विपक्ष पर चुटकी लेते हुये कहा कुछ लोगों को इससे भी परेशानी होगी इसका नाम कोसी क्यों रखा ...वो लोग इस नाम को बिहार चुनाव से जोड़कर देखने लगेंगे। उनको इसका नाम कोसी नदी नहीं दिखेगी, उनको बिहार का चुनाव दिखेगा स प्रधानमंत्री ने कहा ऐसे छोटे लोगों के परेशानियों के बीच भी मैं जरूर कहूँगा, नादियों के नामो की परम्परा देश को एकता के सूत्र में हमें बांधती है। इस दौरान सभी संसदों ने प्रधानमंत्री का इस उपहार के लिये धन्यवाद किया। अगर इन बने हुए फ्लैटो की विषेशताओ की बात करें तो यह परिसर सांसदों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। प्रत्येक फ्लैट में 5,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल है। जिसमें कार्यालय और स्टाफ के लिए जगह भी है। यह परियोजना गृह 3–स्टार रेटिंग और राष्ट्रीय भवन संहिता के अनुरूप है। इमारतें भूकंपरोधी हैं और दिव्यांगों के लिए अनुकूलित हैं। श्री मोदी ने कहा कि इस परिसर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है और यह संसद सदस्यों की कार्यात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं की पूरी श्रृंखला से सुसज्जित है।

सुप्रीम कोर्ट ने सेना में जज एडवोकेट जनरल पद पर पुरुषों का आरक्षण किया रद्द

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय सेना में जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) के छह पद पुरुषों के लिए आरक्षित करने के प्रस्ताव को रद्द करते हुए सोमवार को कहा कि सभी अभ्यर्थियों के लिए एक संयुक्त योग्यता सूची तैयार की जाए। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने अर्शनूर कौर की याचिका पर यह आदेश पारित किया। पीठ ने पुरुषों के लिए छह और महिलाओं के लिए तीन पद आरक्षित करने के प्रस्ताव को मनमाना करार देते हुए कहा, "कार्यपालिका पुरुषों के लिए यह पद आरक्षित नहीं कर सकती। भर्ती की आड़ में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।" अदालत ने आगे कहा, "लैंगिक तटस्थता और 2023 के नियमों का सही अर्थ यह है कि सरकार सबसे योग्य उम्मीदवारों का चयन करेगी। महिलाओं के लिए संबंधित पद को सीमित करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है।"

सपा का लोकतंत्र में विश्वास दिखावा

सदन में बोले सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा का लोकतंत्र में विश्वास केवल दिखावा है और इनसे सुरक्षा और विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती। मानसून सत्र के पहले दिन सपा सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के बाद सदन को संबोधित करते हुए योगी ने सपा के कार्यकाल में व्यापारियों पर हुए अत्याचार और गुंडा टैक्स की याद दिलाते हुए कहा कि सपा का लोकतंत्र में विश्वास केवल दिखावा है। उन्होंने संभल, बहराइच और गोरखपुर में सपा की नकारात्मक राजनीति पर भी सवाल उठाए। सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को एक वरिष्ठ नेता बताते हुए कहा कि कुछ लोग उनके कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे हैं। उन्होंने कहा "माता प्रसाद पांडेय जी, आप वरिष्ठ हैं। आपको अनावश्यक रूप से मोहरा बनाकर कुछ लोग आपके कंधे पर बंदूक रखकर निशाना साधा रहे हैं। आपको ऐसा होने नहीं देना चाहिए। उन्होंने गोरखपुर के विरासत कॉरिडोर के मुद्दे पर सपा की राजनीति को नकारात्मक और विकास विरोधी करार दिया। गोरखपुर विरासत कॉरिडोर के सबसे पुराने बाजार, घंटाघर और गीताप्रेस जैसे ऐतिहासिक स्थानों को जोड़ने का काम करेगा। नेता प्रतिपक्ष से तीन दिन पहले गोरखपुर विरासत कॉरिडोर का निरीक्षण किया था। वहां के एक–एक व्यापारी से बात की। यह गोरखपुर का सबसे पुराना बाजार है, जहां कंजेशन और अवैध कब्जे की समस्या थी। मुख्यमंत्री ने कहा, सपा पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में इस क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सपा के समय में मासूम बच्चे हर साल इन्सेफेलाइटिस से मरते थे। हर साल 700 से 1500 बच्चों की मौत इन्सेफलाइटिस से होती थी। नेता प्रतिपक्ष के विधानसभा क्षेत्र और सिद्धार्थनगर जनपद में सैकड़ों बच्चे मरते थे, लेकिन आपने कुछ नहीं किया। स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास आपका एजेंडा कभी नहीं रहा। योगी ने कहा कि गोरखपुर के व्यापारियों ने माता प्रसाद पांडेय के दौरे का विरोध किया था, क्योंकि सपा के कार्यकाल में व्यापारियों को भय और गुंडा टैक्स का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी व्यापारी सपा के कार्यकाल में हुए शोषण को नहीं भूले हैं। योगी ने सपा पर विकास विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा हर जगह नकारात्मक राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार विकास कराना चाहती है, लेकिन सपा को यह बुरा लगता है।

1 सितंबर से दिल्ली–वॉशिंगटन के बीच नहीं चलेगी कोई फ्लाइट

एयर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि वह 1 सितंबर से अपनी दिल्ली–वाशिंगटन डीसी उड़ानें निलंबित कर देगी। ऐसा उसने अपने समग्र मार्ग नेटवर्क को प्रभावित करने वाले कई परिचालन कारकों का हवाला देते हुए किया है। यह निलंबन बेड़े के नवीनीकरण कार्यक्रम और लंबी दूरी के परिचालन में जारी चुनौतियों के बीच किया गया है। एयरलाइन के अनुसार, दिल्ली–वाशिंगटन सेवा स्थगित करने का मुख्य कारण एयर इंडिया के बेड़े में नियोजित कमी है। एयरलाइन ने पिछले महीने 26

बोइंग 787–8 विमानों का रेट्रोफिटिंग शुरू किया, जो ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक अपग्रेड कार्यक्रम का हिस्सा है। इस रेट्रोफिट के लिए कम से कम 2026 के अंत तक कई विमानों को सेवा के लिए अनुपलब्ध रखना होगा, जिससे लंबी दूरी के मार्गों पर एयर इंडिया की क्षमता प्रभावित होगी। निलंबन का एक अन्य कारण पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का लगातार बंद होना है, जिसके कारण एयर इंडिया को लंबे उड़ान मार्गों का उपयोग करना पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप परिचालन जटिलताएँ बढ़ जाती हैं और विश्वसनीय समय–सारिणी बनाए रखने में चुनौतियाँ आती हैं। एयरलाइन ने कहा कि यह निर्णय एयर इंडिया के समग्र मार्ग नेटवर्क की विश्वसनीयता और अखंडता सुनिश्चित करता है। इससे पहले, एयर इंडिया ने 12 जून को अहमदाबाद में उड़ान संख्या ।प्171 के दुखद दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी थीं।

राजस्थान में किसान अपनी मांगों को लेकर छह अक्टूबर को जयपुर में भरेंगे हुंकार–जाट

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में किसान अपनी मांगों के समर्थन में आगामी छह अक्टूबर को जयपुर में एक बड़ी 'अन्नदाता हुंकार रैली' का आयोजन करेंगे। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने सोमवार को बताया कि इस रैली की तैयारियों के लिए यहां महापंचायत के प्रदेश के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक में समीक्षा की गई हैं और इस रैली में प्रदेश भर के करीब पचास हजार किसान भाग लेंगे। श्री जाट ने बताया कि रैली की तैयारियों एवं इसमें भाग लेने के लिए किसानों को जागरुक करने आदि के लिए अब तक वह प्रदेश के दस जिलों का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि

किसान अपनी वाजिब मांगों के प्रति जागरुक हो रहे हैं और आगामी छह अक्टूबर को राजधानी जयपुर में होने वाली रैली में भाग लेने के लिए बड़े उत्सुक है। उन्होंने बताया कि 'खेत को पानी, फ़सल को दाम, युवाओं को काम' के लिए 'अन्नदाता हुंकार रैली' का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि रैली के लिए अब तक की तैयारी की समीक्षा कर सफल रैली के आयोजन के लिए अब शेष रहे दिनों के लिए रणनीति तैयार की गई हैं। उन्होंने बताया कि एक गांव से औसत एक किसान प्रतिनिधि के अनुसार राजस्थान के 45 हजार 539 गांव से करीब 50 किसान इस रैली में भागीदारी करेंगे। उन्होंने बताया कि समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिका की धमकियों से कृषि क्षेत्र को अमेरिका के व्यापार के लिए खोलने को किसान हितों के विरुद्ध बताया।

8 सप्ताह के भीतर पकड़िए दिल्ली–एनसीआर के सारे लावारिस कुत्ते

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि दिल्ली–एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को आठ हफ़्तों के भीतर उठाकर संबंधित अधिकारियों द्वारा स्थापित किए जाने वाले समर्पित कुत्ता आश्रयों में रखा जाए। एक महत्वपूर्ण आदेश में, अदालत ने नगर निकायों और अन्य एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर पर्याप्त आश्रय सुविधाएँ बनाने के लिए समन्वय से काम करें और यह सुनिश्चित करें कि कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों से हटाया जाए। अदालत ने आगे कहा कि किसी भी आवारा कुत्ते को आश्रय गृह में रखने के बाद उसे वापस सड़कों पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि आवारा कुत्तों को आश्रय गृहों में ही रखा जाए और उन्हें सड़कों, कॉलोनियों या सार्वजनिक स्थानों पर न छोड़ा जाए। उसने दिल्ली सरकार, एमसीडी और एनडीएमसी को सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को उठाना शुरू करने का निर्देश दिया। अदालत ने यह भी चेतावनी दी कि अगर कोई व्यक्ति या संस्था आवारा कुत्तों को उठाने में बाधा डालती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अदालत ने ज़ोर देकर कहा कि शिशुओं और छोटे बच्चों को किसी भी कीमत पर आवारा कुत्तों का शिकार नहीं बनना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने कुत्तों के काटने से रेबीज़ होने की घटनाओं के बारे में एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया था। इसमें कहा गया है कि शहर और इसके बाहरी इलाकों में हर दिन सैकड़ों कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे रेबीज फैल रहा है और अंततः बच्चे और बुजुर्ग इस भयानक बीमारी का शिकार हो रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने घोषणा की थी कि वह राष्ट्रीय राजधानी में आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए पशु जन्म नियंत्रण केंद्रों को उन्नत करेगा और क्षेत्रवार रेबीज विरोधी जागरूकता अभियान चलाएगा। एमसीडी ने एक बयान में कहा कि विभिन्न गैर–सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में संचालित उसके केंद्र जल्द ही कुत्तों में माइक्रोचिप लगाना शुरू करेंगे ताकि नसबंदी की स्थिति और अन्य महत्वपूर्ण विवरण दर्ज किए जा सकें, जिससे निगरानी और ट्रैकिंग आसान हो सके। नसबंदी के अलावा, इन केंद्रों में रक्त परीक्षण सहित नियमित स्वास्थ्य जांच भी की जाएगी।

सुरक्षा बलों ने कई उग्रवादियों को गिरफ्तार किया, हथियार–प्रतिबंधित सामान जब्त

इम्फाल, एजेंसी। सुरक्षा बलों और मणिपुर पुलिस ने राज्य भर में चलाये गये कई अभियानों में प्रतिबंधित संगठनों के कई सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया और हथियार, गोला–बारूद, विस्फोटक, प्रतिबंधित पदार्थ तथा अन्य सामान बरामद किया। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर जिले में एक प्रतिबंधित समूह के एक सक्रिय सदस्य को उसके इलाके से रविवार को गिरफ्तार किया गया। उसके खुलासे के आधार पर सुरक्षा बलों ने एक .303 राइफल और उसकी मैगजीन, विभिन्न राइफलों की पांच मैगजीन, एक 36 नंबर का हैंड ग्रेनेड, विभिन्न कैलिबर की 501 जिंदा गोलियां, दो .303 गोला–बारूद चार्जर, एक काला बंदूक का केस और एक मोबाइल फोन बरामद किया। वहीं, अलग–अलग अभियानों में, इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्व और बिष्णुपुर जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। बरामद वस्तुओं में आधार कार्ड सहित पहचान दस्तावेज शामिल थे।

खरगे, राहुल, प्रियंका, पवार और अखिलेश सहित सैकड़ों सांसद हिरासत में

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडिया गंठबंधन के सैकड़ों सांसदों ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता सांसद राहुल गांधी के आरोपों के समर्थन में संसद भवन से चुनाव आयोग के मुख्यालय की ओर मार्च करने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने रास्ते में रोक कर उन्हें हिरासत में ले लिया। विपक्षी सदस्य इसके पहले संसद भवन में मकर द्वार पर एकत्र

होकर मतदाता सूची के विशेष गहन समीक्षा के विरोध में नारेबाजी की और वहां से चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर पैदल मार्च शुरू किया। इस विरोध प्रदर्शन में श्री गांधी के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित सैकड़ों सांसद नारेबाजी करते हुए संसद मार्ग पर चल रहे थे। रास्ते में श्री अखिलेश यादव सहित कई सदस्यों ने पुलिस के बैरिकेड को पार करने का प्रयास किया। पुलिस ने क्षेत्र में निषेधाज्ञा के उल्लंघन के आरोप में उन सबको हिरासत में ले लिया। पुलिस के हस्तक्षेप के विरोध में विपक्षी सदस्य सड़क पर धरना देने लगे। इस दौरान सांसदों और दिल्ली पुलिस के बीच हल्की नोक–झोंक हुई। दिल्ली पुलिस श्री गांधी और सभी सांसदों को बस में संसद मार्ग थाने ले आई। सांसदों में कांग्रेस के पी चिदंबरम और रेणुका चौधरी, राकांपा(एसपी) की सुप्रिया सुले, और शिवसेना(यूबीटी) के संजय राउत शामिल थे। सांसदों के हाथों में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ बैनर और पोस्टर भी थे।

अगस्त माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच पटना इकाई की जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना परिहार जी को दिया जाएगा

प्रयागराज। हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान जुलाई 2025 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी पटना इकाई की जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना परिहार जी को दिया जाएगा। रचनाकार मीना परिहार जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा,

जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

देश विरोधी ताकतों के दबाव में राहुल गांधी, इंडिया गठबंधन लोकतंत्र को बदनाम कर रहेहै : शिवराज

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पहले विदेशों में जाकर देश को बदनाम किया और अब चुनाव आयोग को बदनाम कर रहे हैं। श्री चौहान ने सोमवार को यहां जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि श्री गांधी और इंडिया गठबंधन देश विरोधी ताकतों के दबाव में लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "श्री गांधी ने पहले विदेशों में जाकर देश को बदनाम किया, चुनाव आयोग को बदनाम किया, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को बदनाम

किया, सेना के सम्मान के साथ खिलवाड़ किया और सेना के शौर्य पर सवाल खड़े किये।" श्री चौहान ने कहा, "वे लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे हैं, वे संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, वे अराजकता फैलाना चाहते हैं।" उन्होंने कहा, "राहुल गांधी बार–बार झूठ बोल रहे हैं, ऑपरेशन सिंदूर पर झूठ बोला और जब सेना ने सारे तथ्य सामने रखे तो उनकी बोलती बंद हो गयी। पहले उन्होंने इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाये कि ईवीएम के कारण वह चुनाव हारते हैं, सबूत मांगे, तो सबूत दिये नहीं।

उच्चतम न्यायालय ने बाद में फटकार लगायी तो मैदान छोड़कर भाग खड़े हुए। अब ईवीएम छोड़ दिया, अब मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर आ गये, अब मतदाता सूची पर सवाल उठा रहे हैं।" केन्द्रीय मंत्री ने कहा, "मैं राहुल गांधी, कांग्रेस के नेताओं और इंडिया गठबंधन से पूछना चाहता हूं, क्या कर्नाटक में कांग्रेस मतदाता सूचियों की गड़बड़ियों के कारण जीती? क्या तेलंगाना में चुनाव आयोग की गलती के कारण जीती?

कानपुर बैराज से गंगा में छोड़ा गया 3.15 लाख क्यूसेक पानी

प्रयागराज। बदायूं से रायबरेली तक गंगा के बढ़ते जलस्तर और कानपुर बैराज से प्रतिदिन बढ़ाए जा रहे डिस्चार्ज को लेकर प्रयागराज के कछारी इलाकों में चिंता बरकरार है। कानपुर बैराज से सोमवार सुबह तीन लाख 15 हजार 702 क्यूसेक पानी गंगा

में छोड़ा गया। रविवार को बैराज से दो लाख 92 हजार 469 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। हालांकि प्रयागराज में गंगा का जलस्तर घट रहा है, लेकिन बैराज से आ रहे पानी के चलते जलस्तर घटने की रफ्तार बेहद धीमी है। गंगा के घटने की गति धीमी होने का असर फाफामऊ में दिखाई दे रहा है। यहां पिछले 24 घंटे (रविवार सुबह आठ बजे से सोमवार सुबह आठ बजे तक) फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 35 सेमी और छतनाग में 80 सेमी कम हुआ। इसी अवधि में नैनी में यमुना का जलस्तर 91 सेमी कम हुआ। सोमवार सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.29 मीटर, छतनाग 79.76 मीटर और नैनी में यमुना का जलस्तर 80.31 मीटर रिकार्ड किया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से डॉक्टरों को साक्षात्कार शुरू

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर संविदा पर एमबीबीएस डॉक्टरों की भर्ती के लिए साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दी गयी है। जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद सिंह के अनुसार साक्षात्कार के लिए 286 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। साक्षात्कार सीएमओ कार्यालय में 11 से 14 अगस्त तक चलेगा। इससे पहले साक्षात्कार की तिथि 14 और 15 जुलाई को घोषित की गयी थी। चयनित डॉक्टरों को सीएचसी, पीएचसी और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में नियुक्त किया जाएगा। अभ्यर्थियों की भर्ती प्रक्रिया का अनुमोदन स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की तीन जुलाई को हुई बैठक में लिया गया था। एक दिन में 75 डॉक्टरों को साक्षात्कार होगा।

पहली बार बीकॉम छात्रों को तीन विशेषज्ञता का विकल्प

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) ने बीकॉम पाठ्यक्रम में पहली बार छात्रों को विशेषज्ञता (स्पेशलाइजेशन) चुनने का अवसर दिया है। नई व्यवस्था के तहत बीकॉम के चौथे वर्ष में छात्र अकाउंटिंग, फाइनेंस और ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) में से किसी एक विषय में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे। अब तक तीन

वर्षीय बीकॉम पाठ्यक्रम में छात्रों को स्पेशलाइजेशन का विकल्प उपलब्ध नहीं था। नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रावधानों को अपनाते हुए इसे चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम में परिवर्तित किया गया है, जिससे छात्रों को रोजगारपरक और व्यावहारिक शिक्षा का लाभ मिलेगा। इस बदलाव से छात्रों को न सिर्फ बेहतर करियर विकल्प मिलेंगे, बल्कि वे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल भी विकसित कर पाएंगे। इसके अतिरिक्त बीकॉम में कई वोकेशनल कोर्स भी शामिल किए गए हैं, ताकि छात्र पारंपरिक विषयों के साथ आधुनिक बाज़ार की मांगों को भी पूरा कर सकें।

यूजी परीक्षा में 30 फीसदी अंकों का मूल्यांकन करेंगे गुरुजी

प्रयागराज, अनिकेत यादव। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में पहली बार स्नातक (यूजी) स्तर की परीक्षाओं में 30 प्रतिशत अंकों का मूल्यांकन शिक्षकों की ओर से आंतरिक रूप से किया जाएगा। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–2020) के तहत लागू किया गया है। अब छात्र–छात्राओं के 70 प्रतिशत अंक लिखित परीक्षा से और शेष 30 प्रतिशत अंक आंतरिक मूल्यांकन से निर्धारित होंगे। नई व्यवस्था से विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति, प्रोजेक्ट कार्य और विषय में गहरी समझ विकसित होगी। साथ ही, कक्षा में भागीदारी और प्रस्तुति कौशल को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मौजूदा सत्र से स्नातक में चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम और सेमेस्टर प्रणाली लागू की जा रही है। इससे पहले यूजी में तीन वर्षीय वार्षिक पद्धति से पढ़ाई होती थी, जिसमें आंतरिक परीक्षा का प्रावधान नहीं था। एनईपी लागू होने के बाद अब आंतरिक परीक्षा भी होगी। स्नातक में विद्यार्थी तीन विषयों का अध्ययन करेंगे, जिनमें दो मुख्य विषय (मेजर) और एक सहायक विषय (माइनर) होगा। तीसरे वर्ष में केवल दो मुख्य विषयों का अध्ययन करेंगे, जिनके आधार पर स्नातक की डिग्री दी जाएगी। एक सेमेस्टर में मेजर विषय के लिए 105 अंक की लिखित परीक्षा, 50 अंक का प्रैक्टिकल और 45 अंक का सेशनल (आंतरिक) रखा गया है। वहीं, माइनर विषय में 80 अंक की लिखित परीक्षा, 20 अंक का प्रैक्टिकल और 20 अंक का सेशनल होगा। कुल मिलाकर, एक सेमेस्टर में 300 अंकों की परीक्षा देनी होगी। बिना प्रैक्टिकल वाले विषय में 90 अंक का सेशनल स्नातक के ऐसे विषयों में जिनमें प्रैक्टिकल नहीं है, एक सेमेस्टर में 90 अंक की सेशनल परीक्षा होगी। इनमें मेजर विषय में 140 अंक की लिखित परीक्षा और 60 अंक की सेशनल, जबकि माइनर विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा और 30 अंक की सेशनल आयोजित की जाएगी।

अतिक्रमण के कारण रोज लगता है जाम, सब होते हैं परेशान

प्रयागराज। शहर के सबसे पुराने और व्यस्ततम बाजार चौक में अतिक्रमण और जाम की समस्या के कारण लोग तौबा करने लगे हैं। ग्राहक दुकानों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं तो व्यापारियों की चिंता स्वाभाविक है। व्यापारी सुबह दुकान खोलकर ग्राहकों का इंतजार करते हैं। दुकानों के आगे ठेले लग जाते हैं, जिनके सामने वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है। बची जगह पर ई रिक्शा वालों का कब्जा हो जाता है। इससे पैदल निकलना मुश्किल रहता है। रोजाना की इस समस्या से व्यापारी और ग्राहक परेशान हैं, लेकिन इसका निदान नहीं हो पा रहा है। चौक के व्यापारियों की परेशानी जानी तो उन्होंने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर रोष जताया।

कहा, हम लोग ऑनलाइन शॉपिंग से पहले ही परेशान हैं और ऊपर से अतिक्रमण व जाम के कारण हमारा व्यापार चौपट होता जा रहा है। समस्या के समाधान के प्रति न प्रशासन और न ही जनप्रतिनिधि ही गंभीर हैं। चौक बाजार में सिर्फ जिले के ही नहीं, गैर जनपदों के लोग भी खरीदारी के लिए आते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के व्यापारी थोक सामानों की खरीदारी करते हैं। इस पुराने बाजार में आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरतों की हर चीज उपलब्ध होने के कारण भीड़ जुटती है। शादी–विवाह और त्योहारों के समय तो मध्यप्रदेश तक से फुटकर व्यापारी खरीदारी के लिए आते हैं। चौक बाजार कभी शहर की शान हुआ करता था, लेकिन कुछ समय से इसकी रंगत उतरने लगी है। अतिक्रमण और जाम के कारण ग्राहक कतराने लगे हैं। कई दुकानों तक तो गिने–चुने ही ग्राहक पहुंच पाते हैं। व्यापारियों का कहना है कि दुकानों के आगे सुबह से सैकड़ों की संख्या में ठेले लग जाते हैं। सड़क पर अतिक्रमण कर लगी इन दुकानों के कारण प्रतिष्ठान ढक जाते हैं। ठेलों के सामने लोग अपने वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे सड़क का अधिकांश भाग अवरुद्ध हो जाता है। दुकानों के आगे इतनी गाड़ियां खड़ी हो जाती हैं कि दुकानदारों को खुद अपनी दुकानों तक पहुंचने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है।

इससे पूरा बाजार परेशान है और गुहार लगा रहा है, लेकिन जिम्मेदारों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा। ई–रिक्शा बने बड़ी परेशानी चौक बाजार में ई रिक्शों की भारी तादाद से परेशानी बढ़ गई है। अधिकांश लोग ई रिक्शा को जाम का मुख्य कारण मान रहे हैं। जानसेनगंज से चौक तक सैकड़ों की संख्या में ई रिक्शे चलते हैं। रिक्शा चालक बीच सड़क पर रोक कर सवारी का इंतजार करते हैं। दुकानों के सामने रिक्शा खड़ा कर देते हैं। एक से अधिक कतार लगाकर जाम लगा देते हैं। दुकानदारों का मानना है कि अगर चौक में ई रिक्शों की संख्या नियंत्रित कर दिया जाए तो काफी राहत मिल सकती है। चौक बाजार में अगर रिक्श प्रतिबंधित कर दिए जाएं तो जाम खत्म हो जाए। पार्किंग स्थल न होने से विकट समस्या पूरे चौक में पार्किंग का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। व्यापारियों को भी अपने वाहन दुकानों के सामने या इधर–उधर खड़ा करना पड़ता है। पार्किंग की व्यवस्था न होने के कारण ग्राहक भी चौक बाजार में आने से कतराने लगे हैं और सिविल लाइंस का रुख करते है, जहां आराम वह वाहन से जाकर खरीदारी कर पाते हैं। चौक में पार्किंग की समस्या के समाधान के लिए लंबे समय से लोग प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार कोई पहल नहीं कर रहे हैं। कैसे और कौन लगवा रहा संडे बाजार रविवार को चौक बाजार की साप्ताहिक बंदी रहती है। इस दिन फुटपाथ पर सैकड़ों की संख्या में दुकानें लग जाती हैं, जिसे संडे बाजार के नाम से जाना जाता है। संडे बाजार के दिन इतनी भीड़ हो जाती है कि स्कूटी तक नहीं निकल पाती। पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। कुछ वर्ष पूर्व वजूद में आया संडे बाजार आखिर कैसे और कौन लगवा रहा है, यह व्यापारी भी नहीं जानते। बताते हैं कि बीच सड़क पर फोल्डिंग डाल कर दुकान लगाने वाले वाले दुकानदारों से कतिपय लोग वसूली करते हैं। दुकान लगवाने वाले दुकानदारों को पूरा संरक्षण प्रदान करते हैं। इससे स्थानीय पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। पिंक टॉयलेट का अभाव चौक इलाके में वैसे तो तीन चार सार्वजनिक प्रसाधन हैं, लेकिन पिंक टॉयलेट न होने से बाजार में आने वाली महिलाओं को काफी परेशानी हो रही है। मजबूरी में उन्हें ऐसे प्रसाधनों में जाना पड़ता है जहां महिला एवं पुरुष दोनों के लिए सुविधा है। घंटाघर इलाके में पुलिस बूथ के पास, दक्खीलाल चूना वाले की गली के पास, नाज सिनेमा के पीछे सार्वजनिक प्रसाधन हैं, लेकिन महिलाओं के लिए अलग से व्यवस्था नहीं है। यहां चार पिंक टॉयलेट की सख्त जरूरत बताई जा रही है। हमारी भी सुनें चौक बाजार शहर का सबसे पुराना है, लेकिन अतिक्रमण अधिक होने से जाम बड़ी परेशानी है। बाजार से अतिक्रमण हट जाए तो बहुत सहूलियत होगी। – संजीव दुकानों के सामने सड़क पर लोग ठेला लगाते हैं, जिससे पूरी सड़क जाम हो जाती है। ठेले अगर सड़क पर न लगें तो कुछ हद तक समस्या से निजात मिल सकती है। – सैफ अहमद घंटाघर बाजार में पार्किंग की सुविधा न होने के कारण लोग आने से कतराते हैं। दोपहर से शाम तक जाम की विकट समस्या रहती है। पैदल निकलना मुश्किल हो जाता है। – मो. अकरम ई रिक्शा की संख्या इतनी अधिक हो गई है कि बाजारों में 70 प्रतिशत जाम की समस्या इन्हीं की वजह से है। ई रिक्शा वालों की मनमानी पर लगाम जरूरी है। – संजय कुशवाहा शहर दक्षिणी का सबसे पुराना बाजर होने के बावजूद यहां पर पार्किंग की व्यवस्था नहीं की जा रही है। बाजार में जाम की समस्या हमेशा बनी रहती है। पार्किंग की व्यवस्था होने से ही समाधान होगा। –दिलीप मिश्रा संडे बाजार घंटाघर के व्यापार को पूरी तरह प्रभावित कर रहा है। संडे बाजार लगने की वजह से रविवार को पूरी सड़क जाम रहती है। पैदल निकलना मुश्किल रहता है। –सरदार जतिन्दर सिंह घंटाघर बाजार में सबसे मुख्य समस्या पार्किंग की है। इसके लिए जिम्मेदारों से कई बार मुाग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। समस्या का निदान मुश्किल दिख रहा है। – विजय चौरसिया पार्किंग न होने से व्यापार पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। जाम के कारण लोग आने से कतराते हैं। नगर निगम को इसका निदान करना चाहिए, ताकी व्यापार न प्रभावित हो। – शुभम केसरवानी संडे बाजार लगने से हमारी दुकानदारी प्रभावित होती है। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना चाहिए। जाम की समस्या का निदान होना चाहिए। – शरीक अहमद बाजार में ग्राहक आते हैं, लेकिन अतिक्रमण की वजह से उन्हें दुकान तक पहुंचने में दिक्कत होती है। हम खुद भी चाहते हैं कि रास्ता साफ रहे। अगर सब मिलकर प्रयास नहीं करेंगे तो एक अकेला क्या करेगा। – पल्लवी अरोरा हर बार बाजार आना एक संघर्ष बन गया है। ना चलने की जगह है, ना पार्किंग की। ठेले और ई रिक्शा वाले पूरे रास्ता को घेरे रहते हैं, जिससे जाम लगता है। इसका निदान होना चाहिए। – लता उपाध्याय हम लोग दिनभर मेहनत करते हैं, लेकिन जाम लगने से बहुत दिक्कत होती है। फुटपाथ पर दुकानें होने से गाड़ी घुस भी नहीं पाती। संडे बाजार से परेशानी बढ़ गई है। – डॉ. दिव्या अग्रवाल हम रोज अतिक्रमण हटवाते हैं, लेकिन कुछ ही घंटों में लोग फिर आ जाते हैं। स्थायी समाधान के लिए नगर निगम और प्रशासन को मिलकर काम करना होगा। –रमा अग्रवाल बाजार में एक भी पिंक टॉयलट नहीं है। जिसके कारण बाजार में खरीदारी करने आयीं महिलाओं को बहुत परेशानी होती है। बाजार में एक पिंक टॉयलट होना चाहिए। – आशीश टंडन इतने बड़े बाजार में महिलाओं के लिए अलग से प्रसाधन नहीं है। नगर निगम को इस पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन जिम्मेदार बेपरवाह हैं। – इमरान बोले जिम्मेदार चौक क्षेत्र में हम लगातार अतिक्रमण अभियान चलाकर कार्रवाई कर रहे हैं। लेकिन कुछ लोग फिर अतिक्रमण कर लेते हैं। इसके लिए स्थानीय व्यापारी और व्यापारी संगठनों से बात कर वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। समस्या का शीघ्र समाधान कर दिया जाए जाएगा। – दीपेंद्र यादव, अपर नगर आयुक्त, नगर निगम

जलभराव का होगा स्थायी समाधान, सर्वे को मिले दस करोड़

प्रयागराज अभिषेक मिश्र शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश के बाद पूरा शहर जलमग्न हो गया था। शहर के उन मोहल्लों में भी घुटने और कमर तक पानी भर गया, जहां कभी बारिश का पानी नहीं जाता था। सोशल मीडिया पर शहर में हुए जलभराव के कई वीडियो वायरल हुए। सरकार ने अब इस समस्या के स्थाई समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया है। जलभराव से मुक्ति के उपाय सुझाने के लिए दक्षिण भारत की एक एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह एजेंसी सर्वे कर उपाय बताएगी। खास बात यह है कि इस एजेंसी को सिर्फ सर्वे के लिए ही दस करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

एजेंसी ने अफसरों के सामने प्रजेंटेशन दिया है। सबकुछ सही रहा तो अगले महीने से एजेंसी सर्वे शुरू कर देगी। यूं तो शहर के तमाम मोहल्ले के बाशिंदे हर साल जलभराव की समस्या से जूझते हैं पर शुक्रवार को जो स्थिति उत्पन्न हुई वह पिछले वर्षों से अलग थी। पुराने नाले, नालों पर अवैध निर्माण, तेजी से हो रहा भवन निर्माण, अनियोजित विकास आदि कई कारण हैं, जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई है। यह समस्या प्रयागराज में सबसे अधिक है, लेकिन प्रदेश के कई बड़े नगर निगमों से शासन को इसी प्रकार की समस्या से अवगत कराया गया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएंडडीएस के अफसरों को एक कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में केवल सर्वे के लिए ही 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। सीएंडडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर रोहित कुमार ने बताया कि सीएम के निर्देश के क्रम में सर्वे करने वाली एजेंसी की तलाश शुरू की गई। प्रोजेक्ट बहुत बड़ा है। काम शुरू होने के बाद चार माह में इसे पूरा भी करना है। किसी छोटी एजेंसी को कम देना संभव नहीं था। दक्षिण भारत की एक एजेंसी इस काम के लिए प्रजेंटेशन दे चुकी है। प्रक्रिया पूरी कर अगले महीने से सर्वे शुरू कर दिया जाएगा। जीआई सर्वे और गूगल मैप भी बनेगा प्रोजेक्ट मैनेजर रोहित कुमार ने बताया कि नालों को चौड़ा करना उद्देश्य नहीं है। यह योजना का एक हिस्सा हो सकता है। अब तक का अनुभव यह बताता है कि प्रयागराज में जलभराव के दौरान नदियों में नाले का पानी नहीं जा पाता है इसीलिए सर्वे में तकनीकी रास्ता भी निकाला जाएगा कि आखिर पानी कैसे निकले। इसके लिए जीआई सर्वे होगा और पूरे जिले का गूगल मैप भी बनाया जाएगा। सबसे पहले निरंजन डॉट पुल, अल्लापुर और जार्जटाउन आदि उन मोहल्लों में सर्वे होगा, जहां समस्या ज्यादा है। 2009–10 में बना था प्लान जलभराव की समस्या से निजात के लिए 2009–10 में जवाहर लाल नेहरू अर्बन मिशन के तहत 250 करोड़ रुपये की कार्ययोजना बनी थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 450 करोड़ किया गया था लेकिन किन्ही कारणों से काम नहीं हो सका था। वर्जन शहरी क्षेत्र में जलभराव की समस्या बड़ी है। इसे लेकर सीएंडडीएस ने एक प्रोजेक्ट तैयार कर लिया है। इस पर काम शुरू कराया जा रहा है। जल्द ही समस्या का समाधान होगा। – मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी

अखिल असम भोजपुरी परिषद, बिश्वनाथ जिला समिति का रक्षाबंधन उत्सव समारोह

–समारोह में समाज से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी को अभिनंदन पत्र से सम्मानित

विश्वनाथ। असम भोजपुरी परिषद विश्वनाथ जिला समिति प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी विश्वनाथ चारिआलि के हिमालय विवाह भवन सभागार में आज प्रेम का पवित्र उत्सव रक्षाबंधन जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ मनाया। जिला समिति के सलाहकार सूर्य नारायण पाण्डेय तथा जिला समिति के उपाध्यक्ष विश्वनाथ महतो के संयुक्त रूप से संचालित सभा में सर्वप्रथम अध्यक्ष ,मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को मंचासीन कराया गया।जिला समिति के अध्यक्ष बलवीर राय केअध्यक्षता में आयोजित सभा में मुख्य अतिथि प्रमोद बरठाकुर, विधायक, विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र,विशिष्ट अतिथि डॉ० चिंतामणि शर्मा, प्राचार्य,विश्वनाथ कॉलेज,आमंत्रित अतिथि

दिब्यज्योति बरुआ, कॉपीराइट, बी–न्यूज़,जावेद अहमद, उपाध्यक्ष, अखिल असम भोजपुरी परिषद ,बिक्रम दुबे सह सचिव, अखिल असम भोजपुरी परिषद,दिलीप गुजरेल, उपाध्यक्ष, अखिल असम गोरखा छात्र संघ (आगसू), प्रभुनाथ सिंह, प्रतिष्ठित समाजसेवी,छोटेलाल महतो, पूर्व शिक्षक, ललन जयसवाल, प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता,ज़मीर अहमद, प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता, सत्येन्द्र नाथ तिबारी सहायक सचिव आदि को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। इस पूर्व मुख्य अतिथि विश्वनाथ विधायक प्रमोद बरठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर सभा का शुभारंभ किया। न्यूज़ लाइव के पत्रकार ज्ञान पांडे ने गणेश वंदना प्रस्तुति की। इसके बाद समारोह में विश्वनाथ जिले समाज से जुड़े प्रतिष्ठित वरिष्ठ समाजसेवी क्रमशः प्रभुनाथ सिंह ,जमीर अहमद ,ललन जयसवाल, छोटेलाल महतो आदि महानुभावों को अभिनंदन पत्र से सम्मानित किया गया। विधायक प्रमोद बरठाकुर ने राखी बंधन के पौराणिक कथा पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान राखी बंधन के प्रयोजन पर मंतव्य दी। सभा में प्रभुनाथ सिंह,जमीर अहमद, दिव्यज्योति बरूआ, डॉ० चिंतामणि शर्मा,दिलीप गुजरेल आदि ने वक्तव्य रखा। तत्पश्चात् रक्षाबंधन कार्यक्रम रखा गया जिसमें उपस्थित बहनों ने अतिथियों के कलाईयों में राखी बांध मिठाई खिलाई और आशीर्वाद ली।इस मौके पर कार्यक्रम में जिले के विभिन्न शाख समिति के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य– सदस्या के साथ फहीम अहमद, लव रौनियार, अखिल असम भोजपुरी परिषद, बिश्वनाथ जिला समिति के कार्यकता मौजूद थे।

सावन में कम बिकी शराब, पहले से 41वें स्थान पर आया प्रयाग

प्रयागराज। सावन में लोगों ने शराब से कुछ इस कदर दूरी बनाई कि चंद महीनों पहले कमाई के मामले में प्रदेश में पहले नंबर पर रहने वाला प्रयागराज लुढ़क कर 41वें स्थान पर चला गया। अब अफसर ठेकेदारों (अनुज्ञापियों) पर शराब की अधिक उठान के लिए दबाव बना रहे हैं ताकि स्थिति में सुधार हो सके। शराब से कमाई के मामले में प्रयागराज का प्रदर्शन पिछले कुछ महीनों से बेहतर चल रहा था। जिस महीने होली और दिवाली पड़ी उसमें प्रयागराज प्रदेश में नंबर एक पर था। मई तक नंबर एक पर रहने के बाद स्थिति थोड़ी बदली फिर भी जिला प्रदेश में सर्वाधिक बिक्री वाले शीर्ष पांच जिलों में शामिल रहा।

लेकिन 31 जुलाई को जो आंकड़ा जारी किया गया है, उसमें प्रयागराज प्रदेश 41वें नंबर पर चला गया। नंबर एक पर गाजियाबाद, इसके बाद आगरा,

लखनऊ, वाराणसी जैसे जिले हैं। मेरठ, मुरादाबाद जैसे जिले भी शराब की बिक्री के मामले में प्रयागराज से आगे हो गए हैं। अफसरों का कहना है कि गिरावट का बड़ा कारण सावन मास में अपेक्षाकृत कम बिक्री है। अफसरों की मानें तो जिले में रोजाना लगभग तीन करोड़ की शराब की बिक्री होती है। जिसमें सवा करोड़ रुपये की देसी शराब, एक करोड़ के आसपास अंग्रेजी शराब और लगभग 75 लाख की बियर की बिक्री होती है। कम बिक्री का ये भी कारण पूरे प्रदेश में सबसे अधिक बिक्री देसी शराब की है। सावन में फसल की बोवाई और कटाई का काम नहीं होता है, बारिश की वजह से भवन सहित अन्य निर्माण कार्य भी कम होते हैं, इस वजह से खास तौर से मजदूरों में देसी शराब की खपत कम हो जाती है। जानकारों का कहना है कि बारिश समाप्त होने के बाद दशहरे के आसपास जब मजदूरों के पास काम होगा तो शराब की बिक्री बढ़ेगी। सावन की वजह से शराब की बिक्री में लगभग 30 फीसदी की कमी आती है। सबसे ज्यादा गिरावट देसी शराब में होती है। इसका असर कुल बिक्री पर आया है। अब दशहरा के आसपास बिक्री बढ़ने का अनुमान है। सभी दुकानदारों से कोटे के अनुसार उठान के लिए कहा जा रहा है। –सुशील कुमार मिश्र, जिला आबकारी अधिकारी

बीआरसी करछना में मेडिकल कैंप एवम् पेरेंट्स काउन्सिल का हुआ आयोजन

प्रयागराज। शासन के मन्शा अनुरूप चलाई जा रहे समेकित शिक्षा योजना अंतर्गत आज दिनांक 8/8 /2025 को बीआरसी करछना मेडिकल कैंप एवम् पैरेंट्स काउन्सिल का आयोजन किया गया।मेडिकल कैंप में जिले से आए हुए आई सर्जन डॉक्टर घनश्याम सिंह,ऑर्थो सर्जन डॉक्टर जी के तिवारी मंडल ,इएनटी

डॉक्टर आनंद कुमार जायसवाल ,मनो चिकित्सक डॉ जयशंकर पटेल आईडियोलॉजिस्ट डॉक्टर संकल्प शुक्ला ,फिजियोथैरेपिस्ट राजेंद्र यादव द्वारा मेडिकल कैंप करछना में कुल उपस्थित अस्थि दिव्यांग 14 श्रवण दिव्यांग 9 आंख से दिव्यांग 6 मानसिक दिव्यांग 33 कुल 62 बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें कुल 30बच्चों का मेडिकल प्रमाण पत्र यूडीआईडी कार्ड बनाया गया। एवम् अभिभावक को दिव्यांग बच्चों की मिलने वाली सुविधा के बारे में बताया गया कैंप का आयोजन आदरणीय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज के निर्देशन में एवं खंड शिक्षा अधिकारी करछना श्री वरुण कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में सकुशल संपन्न हुआ विकास खंड से आए हुए सभी बच्चों को जलपान कराया गया। कैंप में प्रमुख रूप से आलोक राय शर्मा ,वीरेंद्र कुमार पाल, नीलम अनुराग बाबू एव सोल्स आर्क टीम का विशेष सहयोग रहा।

गाजियाबाद में जिला जज आशीष गर्ग का दिल का दौरा पड़ने से निधन

गाजियाबाद। जिला जज आशीष गर्ग का आज दिल का दौरा पड़ने के चलते निधन हो गया। पिछले कई दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था और बीते कल ही उनका हर्निया का

ऑपरेशन गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल में हुआ था लेकिन आज अचानक उनकी हालत बिगड़ गई डॉक्टर ने उन्हें बचाने का प्रयास किया लेकिन वह बचा नहीं सके। बीते 30 अप्रैल को वह गाजियाबाद के जिला जज नियुक्त किए गए थे। मूल रूप से मुजफ्फरनगर के रहने वाले थे आशीष गर्ग। गाजियाबाद से पहले आशीष गर्ग मथुरा के जिला जज रह चुके हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर 30 अप्रैल को 40 जनपदों में बड़े पैमाने पर तबादले के आदेश दिए गए थे इस सूची में गाजियाबाद का नाम भी शामिल था।

नगर पालिका बनी भ्रष्टाचार की जननी: लोकेश सैनी

-रामपुरी वार्ड 21 (शहाबुद्दीनपुर रोड) की समस्याओं से मोहल्ले वासियों ने शिवसेना नेताओं को कराया अवगत

मुजफ्फरनगर। आज रामपुरी स्थित सिंपत कॉलोनी में मोहल्लेवासी व शिवसेना नेता की हुई बैठक इससे पूर्व शिवसेना मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी का पुष्प माला पहनाकर किया स्वागत। शिवसेना मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी व मंडल उपाध्यक्ष गौतम कुमार ने मौके पर जाकर मोहल्ले की गलियों का निरीक्षण किया एवं मोहल्ले वासियो को आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द ही स्थानीय वार्ड सभासद रजत धीमान जी व नगर पालिका अध्यक्ष को मोहल्ले की समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। श्री सैनी ने नगर पालिका अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पालिका भ्रष्टाचार की जननी बनी हुई है एक तरफ तो रामलीला टीला स्थित वार्ड नंबर 9 में सभासद महोदय द्वारा साफ– सुथरी आर. सी.सी.की मजबूत गलियों की सड़क को तोड़कर अपने कमीशन के चक्कर में बनवाया जा रहा है तो दूसरी तरफ

रामपुरीवासी पक्की गलियों के लिए तरस रहे हैं बरसात के इस मौसम में स्कूल आने जाने में छोटे–छोटे बच्चों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है वही नगर पालिका के कुछ सभासद नगर पालिका की भूमि पर अवैध कब्जा करने में लिप्त है और नगर पालिका अध्यक्ष अपनी आंखों पर पट्टी बांधे बैठी है। इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित रहे– सचिन ठाकुर संजय प्रजापति डॉ सचिन कुमार पाल राजकुमार सैनी अनिल प्रजापति प्रवीण प्रजापति जॉनी शर्मा रघुवीर प्रजापति अंकित प्रजापति बृजपाल प्रजापति सोनू प्रजापति मोनू कुमार कन्हैया कुमार उमेश शर्मा महावीर सिंह सुरेश प्रजापति मयंक प्रजापति आदि।

रालोद की बैठक में प्रोफेशनल मंच का गठन

योगेंद्र काम्बोज को जिला अध्यक्ष की कमान सौंपी

मुजफ्फरनगर। सरकुलर रोड स्थित राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय पर एक बैठक आयोजित की गई। जिसका संचालन रालोद के जिला अध्यक्ष संदीप मलिक ने किया। बैठक में प्रोफेशनल मंच के क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण दहिया एडवोकेट मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। मुख्य अतिथि अरुण दहिया ने इस अवसर पर योगेंद्र कांबोज एडवोकेट को प्रोफेशनल मंच का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया और कहा कि वे जिला व शहर कमेटियों की घोषणा कर जनपद के बुद्धिजीवियों जिनमें प्रोफेसर, डॉक्टर, वकील एवं अन्य वर्ग हैं को राष्ट्रीय लोकदल से जोड़कर राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के हाथों को मजबूत करने का काम करे। बैठक में ब्रह्म सिंह बालियान सत्येंद्र तोमर, उमादत शर्मा आदि ने भी अपने–अपने विचार प्रकट किये और नवनियुक्त जिला अध्यक्ष योगेंद्र कंबोज एडवोकेट को शुभकामनाएं दी। बैठक में बोलते हुए नवनियुक्त जिला अध्यक्ष योगेंद्र कांबोज एडवोकेट ने मेरठ से आए जिला अध्यक्ष व अन्य रालोद नेताओं का स्वागत करते हुए सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं को स्पष्ट किया कि वे अपने कार्यकाल में जनपद के बुद्धिजीवी वर्ग को पार्टी से जोड़ने का प्रयास किया करेंगे। इस अवसर पर उमादत्त शर्मा ने कहा कि योगेंद्र कांबोज एडवोकेट तहसील सदर बार संघ के अध्यक्ष के अलावा अन्य सामाजिक संगठनों से भी जुड़े हुए हैं और रालोद में उनकी उपस्थिति में आना पार्टी के लिए हितकारी होगा। इस अवसर पर श्रीमती रमानगर, कृष्ण पाल राठी, प्रभात कुमार, नितिन मलिक, गौरव मांड़ी, विकास बालियान, सतवीर वर्मा, पंकज राठी, संजय राठी, केपी सिंह आदि ने भी जिला अध्यक्ष को बधाइयां दी।

पौधारोपण से स्वच्छ ऑक्सीजन प्राप्त करे जनता: डॉ. उमर अलीशा

पिठापुरम,। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवे पीठाधिपति डॉ. उमर अलीशा ने शुक्रवार की सुबह वाई.एस. आर. गार्डन, शिवदत्त नगर, भाष्यम पब्लिक स्कूल परिसर में उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित ना मोक्का–ना स्वासा कार्यक्रम में कहा कि पौधारोपण करके ही जनता स्वच्छ ऑक्सीजन प्राप्त कर सकती है।

पीठाधिपति डॉ. उमर अलीशा बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में भाग लेकर पौधारोपण कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पौधे स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं, कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी विषैली गैसों को कम करते हैं और शुद्ध स्वास्थ्य प्रदान करते हैं। डॉ. उमर अलीशा ने कहा कि यदि हर कोई हर साल 3 पौधे लगाए, तो 4 या 5 वर्षों में पिठापुरम एक हरा–भरा शहर बन जाएगा। भाष्यम पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य वेणु ने कहा कि मेरे बचपन से ही ना मोक्का ना स्वास कार्यक्रम के

माध्यम से पिठापुरम मुख्य सड़क के डिवाइडर के अंदर लगाए गए पौधे न केवल आनंद देते हैं बल्कि हरे–भरे भी दिखते हैं। भाष्यम स्कूल ने ना मोक्का ना स्वास कार्यक्रम में भाग लेने के लिए डॉ. उमर अलीशा का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर अहमद अलीशा ने कहा कि पेड़ों से वातावरण ठंडा रहता है और हम खुद को बीमारियों से बचा सकते हैं और प्रकृति की रक्षा भी कर सकते हैं। दोनों तेलुगु राज्यों के लिए उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट की संयोजक श्रीमती सूर्यवती ने कहा कि प्रभु के आदेश पर, हैदराबाद के कई इलाकों में कई पौधे लगाए गए और आज वे पौधे फल और फूल दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम इससे बहुत खुश और आनंदित हैं।

इस कार्यक्रम में उभय तेलुगु राज्यों के उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट की संयोजक श्रीमती. मंतेना सूर्यावती, श्री अहमद अलीशा, भाष्यम पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल पोलुपर्थी वेणु, शिक्षक कोंडा बाबू, पीठ के संयोजक पेरुरी सुरीबाबू, कॉलोनी के कई निवासी तथा पीठ के सदस्यों ने भाग लेकर लगभग 90 पौधे रोपे।

एनयूजे आई प्रयागराज ने नवागत जिलाधिकारी से की भेंट

आप सभी से सहयोग की उम्मीद: जिलाधिकारी

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज जिला इकाई के पदाधिकारियो तथा सदस्यो ने आज प्रयागराज के नवागत तेज तर्रार जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा से एक शिष्टाचार भेंट किया। तथा नवागत जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा जी को संगठन की ओर से बुके तथा शुभकामना पत्र देकर प्रयागराज मे स्वागत किया।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने एनयूजे के सभी पदाधिकारियो तथा सदस्यो से परिचय होने के बाद एक संक्षिप्त वार्ता हुई जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने वार्ता मे कहाँ यहाँ आते ही बाढ का सामना करना पडा तथा बाढ से निपटने मे प्रयागराज के पत्रकारो नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज जिला इकाई तथा समाज सेविओ का पूर्ण सहयोग मिला जिससे हम सब बाढ पीडितो को अच्छी व्यवस्था दे सके।

मै उम्मीद करता हुँ कि नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज जिला इकाई से साकारात्मक खबरो को लेकर सहयोग बराबर मिलेगा।

वही दूसरी ओर नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज की ओर से संरक्षक पवन दिवेदी संरक्षक परवेज आलम जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला ने खबरो को लेकर सकारात्मक सहयोग करने का पूर्ण सहयोग करने का आशवासन जिलाधिकारी को दिया। उक्त पदाधिकारियो ने आशा ब्यक्त किया की जिला प्रशासन तथा एनयूजे परस्पर सहयोग करते रहेंगें।

जिलाधिकारी से मिलने वालो मे तथा बधाई और शुभकामना देने वालो मे श्री पवन दिवेदी परवेज आलम कुन्दन श्रीवास्तव अखिलेश शुक्ला आयुष श्रीवास्तव मनीष दिवेदी बी के यादव असद कुरैशी शनी कुमार केसरवानी कुलदीप सिंह मधुर दरबारी

रंजीत निषाद इरफान खान सौरभ कुमार आदर्श मो नसीम नफीस अहमद अशरफ अली मो0 शकील खान मनोज कुमार गौरव त्रिपाठी पवन देव शितला प्रसाद तिवारी जितेंद्र कुमार सिंह शिव जी मालवीय आनन्द श्रीवास्तव अमीत श्रीवास्तव सत्यम कुमार निषाद शेखर आदर्श राकेश कुमार पाल शहनवाज अहमद मो औसाफ भाल चद्र पान्डेय तथा अन्य सदस्य ।

साहित्य चेतना समाज ने कवि गोष्ठी का किया आयोजन

मिर्जापुर साहित्यिक के क्षेत्र में अत्यंत समृद्ध जनपद है : राजेश राज

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज के सौजन्य से अनगढ़ में कविगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि गोरखपुर से आए प्रसिद्ध आशुकवि व संचालक राजेश राज रहे और अध्यक्षता रविन्द्र पाण्डेय सरल ने किया। गोष्ठी का प्रारंभ नंदिनी वर्मा ने मां सरस्वती की वंदना से किया। कवि व कवयित्रियों ने अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न भेंट कर राजेश राज का स्वागत किया। प्रसिद्ध संचालक व कवि राजेश राज की गिनती देश के बड़े आशु कवियों में होती है। राजेश राज ने अपने वक्तव्य में कहा कि मैं गोरखपुर में रहता हूं लेकिन मिर्जापुर मेरा पैतृक निवास है और यह साहित्यिक के क्षेत्र में अत्यंत समृद्ध जनपद है। मिर्जापुर ने आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रेमघन, चुनारी लाल और बेचन शर्मा उग्र जैसे साहित्यकार दिए हैं। काव्यपाठ के क्रम में राजेश राज ने सुनाया – भाई मेरे इक काम कर आना,

कि मैं तो यहां सीमा पर खड़ा । राखी में जब थाल सजा कर, राह निहारे बहना । मेरे पहुंच न पाने का दुःख, उसे पड़े ना सहना । जा कर अपनी कलाई तू बढ़ाना, कि मैं तो यहां सीमा पर खड़ा।

रविन्द्र कुमार पाण्डेय ने सुनाया – तुम भले ही मूक बनकर दिव्य लोक में जा बसी हो। किन्तु प्रतिध्वनि तो तुम्हारी हर समय गूंजा करेगी।

केदारनाथ सविता ने पढ़ा – जिंदगी रिश्तों की डोर से बुनी हुई चारपाई है, जिसपर कितने लोग आये, बैठे और चले गये। आनंद अमित ने व्यंग्य कविता सुनाया– खाती बकरी घास है या बकरी को घास? इतने सीधे प्रश्न का उत्तर सबके पास। सारिका चौरसिया ने पढ़ा – उदास शाम से सीखा मैंने, जो है अकेला चले निरंतर। सृष्टि राज ने पढ़ा – उन शहीदों को नमन जो रच गए इतिहास हैं। नंदिनी वर्मा ने सुनाया – जिंदगी हाथ मेरा थाम कहीं चलते हैं। चाहतों का लिए पैगाम कहीं चलते हैं। विनय कुमार श्रीवास्तव ने पढ़ा – मां तुमसा है कौन, हो तुम तो ममता की मूरत। कार्यक्रम का संचालन आनंद अमित ने किया।

रविवार को रात आठ बजे तक चले इस कार्यक्रम में राजपति ओझा, कुलभूषण पाठक, मयंक प्रजापति, यामिनी, सावित्री आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सृष्टि राज ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

नोएडा इकाई काव्य गोष्ठी की माह अगस्त 3/8/2025 की रिपोर्ट

नोएडा। शहर समता विचार मंच.नोयडा इकाई की महिला काव्य गोष्ठी आ० प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा जी के दिशा निर्देश में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की अध्यक्षता उमेश श्रीवास्तव ने की। 'मुख्यअतिथि–संगीता जी महाराष्ट्र से रहीं' विशिष्ट अतिथि 'अल्पना जैन जी रहीं' संयोजन व संचालन 'प्रवीणा त्रिवेदी 'प्रज्ञा' ने संभाला। यह काव्य गोष्ठी शाम 5 बजे से 6 बजे तक चली जिसका शुभारंभ प्रवीणा जी ने किया उन्होंने ही सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति व माल्यार्पण किया' और अपनी एक सुंदर प्रस्तुति भी दी। इस काव्य गोष्ठी में सभी बहिनों ने अपनी अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये। गोष्ठी में चाहे प्रवीणा त्रिवेदी जी की ग़ज़ल 'जिंदगी ' हो या ' मनोरमा जी की बेहतरीन ग़ज़ल हो या बहिन अवंतिका जी की रचना 'दरिंदे' या प्रवीणा का गीत हो रुखसार की 'कविता' हो या सीता जी की छंदमुक्त रचना हो न जी चीन को सबक सिखाने की बात कर रही थी कुल मिलाकर सभी की रचनाओं ने एक सुंदर सा समां सा बाँध दिया। पूरा आयोजन बहुत ही सुंदर बन गया। आयोजन का समापन प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा जी ने ही किया। आयोजन के लिए गूगल मीट का तरीका अपनाया गया।

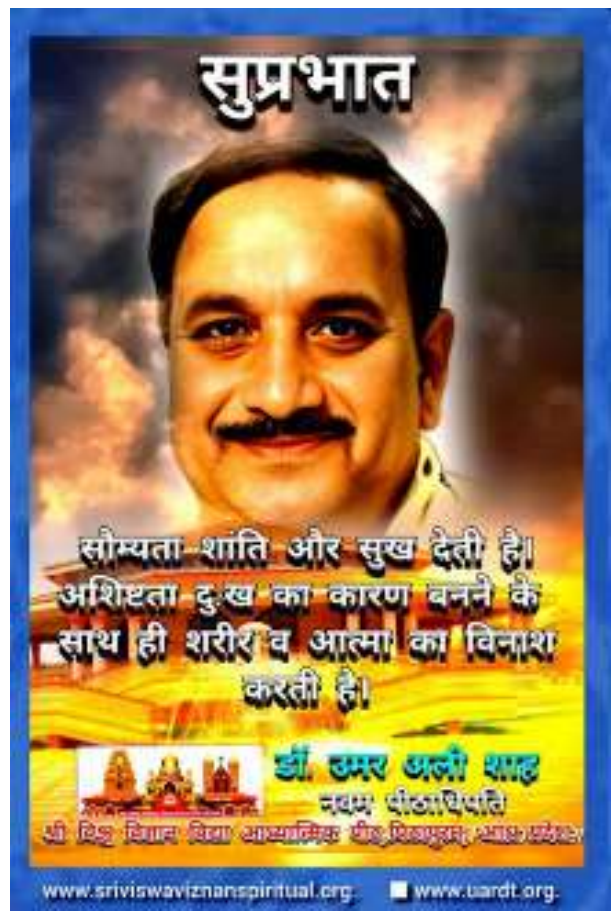

बारिश में होकर मगन

(कुण्डलिया)

कोयल सुग्गा सारिका, पपिहा दादुर मोर।
बारिश में होकर मगन, बोल रहे चहुँ ओर।
बोल रहे चहुँ ओर,घटा श्यामल नभ छायी।
लोकगीत के बोल,बनी कजरी तब आयी।
गाते जिसे प्रदीप,भाव हैं जिसके निर्मल।
झूलों पर ही बैठ,प्रेम रस पीती कोयल।

चंचलता करुणा जिरह, अमर्ष प्रेम– अयान।
कजरी की गाथा कहें, बन उसकी पहचान।
बन उसकी पहचान,गा रहीं कोठे वाली।
नभ से बरसे नीर, घटायें काली–काली।
सुन लो कहें प्रदीप,देख मन की व्याकुलता।
प्रिय को देख करीब, नयन अरु हिय चंचलता।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने किया राष्ट्रीय मि मुक्ति दिवस का शुभारंभ

एसडी इंटर कॉलेज में स्वास्थ्य विभाग ने किया आयोजन, मीनाक्षी स्वरूप ने बच्चों को खिलाई गोली

मुजफ्फरनगर। जनपद के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा सोमवार को जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के रूप में मनाया गया, जिसके अंतर्गत जनपद के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों, सरकारी, अर्ध सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में बच्चों को पेट के कीड़ों की दवाई खिलाई गई।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ एस डी इंटर कॉलेज निकट रोडवेज बस स्टैंड में जिला स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आयोजित किये गये कार्यक्रम के बीच नगर पालिका परिषद् की अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप के द्वारा बच्चों को अपने हाथों से पेट के कीड़ों की दवाई खिलाकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है जो की अत्यंत सराहनीय है ,उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि वे अवश्य साल में दो बार पेट के कीड़ों की दवा अवश्य खाएं।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने बताया कि प्रत्येक वर्ष दो बार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाता है, इस वर्ष पहले यह फरवरी माह में मनाया गया था। आज हम वर्ष का दूसरा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मना रहे हैं, जिसके अंतर्गत एक से 19 वर्ष के सभी बच्चों, किशोर किशोरियों को कृमि मुक्ति के लिए यह गोली खिलाई जाती है उन्होंने बताया कि इस बार पूरे जनपद में 1538412 बच्चों को पेट की कीड़ों की दवाई खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार, जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. विक्रांत तेवतिया, नगर स्वास्थ्य अधिकारी पालिका डॉ. अजय शाही, डीएमसी यूनिसेफ सुश्री तरन्नुम, अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर प्रवीण कुमार एवं विद्यालय के शिक्षक व अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उप जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डॉ. गीतांजलि वर्मा के द्वारा किया गया।

मिर्जापुर हाईवे के लिए 1400 करोड़ का डीपीआर भेजा

प्रयागराज। पीडब्ल्यूडी के राष्ट्रीय मार्ग खंड ने विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत मिर्जापुर हाईवे को फोर लेन किए जाने के लिए उसका डीपीआर तैयार कर लिया है। हाईवे की 86 किमी की दूरी को फोर लेन करने के लिए कुल 1400 करोड़ रुपये का डीपीआर सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। इसमें तीन सौ करोड़ सड़क निर्माण और 1100 करोड़ रुपये किसानों की अधिग्रहीत कर उन्हें मुआवजा देने की राशि शामिल है। खंड के सहायक अभियंता अमित सिंह ने बताया कि बारिश का मौसम समाप्त होने से पहले प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाएगी।

सम्पादकीय.....

आपदा की वजह

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद स्थित धराली में आई आपदा ने देश–दुनिया को गहरे तक आहत किया है। मलबे और बाढ़ के पानी के सैलाब ने जिस तरह घरों, होटलों व बगीचों तथा खेत–खलिहानों को तबाह किया, उसने आम लोगों को भयभीत किया। पहाड़ की भौगोजिटिलताओं व बचाव के संसाधन पहुंचाने में देरी से राहत कार्य बाधित हुआ है। निस्संदेह, हादसे से जुड़ा पहलू यह भी है कि तंत्र की अनदेखी व खीरगंगा के विस्तार क्षेत्र की आशंकाओं को नजरअंदाज करके जो निर्माण किया गया, वह सैलाब की जद में आया। सवाल यह है कि वे कौन से कारण थे कि बेहद तीव्र वेग से आये सैलाब ने लोगों को भागने तक का मौका नहीं दिया। हालांकि, मरने वालों की वास्तविक संख्या सामने नहीं आयी है, लेकिन सैलाब की भयावहता को देखकर अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि जनधन की बड़ी हानि हुई होगी। असली सवाल यह है कि ये आपदा कैसे आयी। आजकल ऐसे हादसों की साधारण व्याख्या होती है कि हादसा बादल फटने से हुआ। लेकिन धराली में आपदा की वजह बादल फटना मानने को वैज्ञानिक तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिक इस वजह से बादल फटने के तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार 4–5 अगस्त को उस क्षेत्र में महज आठ से दस मिमी बारिश ही हुई थी। वैज्ञानिक मानक के अनुसार बादल फटने की घटना तब होती है जब उस इलाके में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई हो। दरअसल, धराली गांव के पीछे डेढ़–दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। दोनों तरफ ऊंचे व तीव्र ढलान वाले पहाड़ हैं। जिस खीरगंगा में फ्लैश फ्लड आया है, वो उन्हीं घने जंगलों से होकर गुजरती है। वैज्ञानिक एक तर्क पर विचार कर रहे हैं कि कहीं घने जंगलों वाले इलाके में भूस्खलन की वजह से पानी का प्रवाह रुक गया होगा, जिसके बाद अस्थाई झील टूटने से आपदा आई होगी। दरअसल, इस जल प्रलय की जद में आने वाला क्षेत्र फ्लड प्लेन इलाके में बसा है। उसके ऊपर के इलाके में बर्फीले पर्वत बताए जाते हैं। यह हकीकत है कि धराली और उसके आस–पास बेहद संकरी घाटी और ऊंचे पहाड़ हैं। वैज्ञानिकों का तर्क है कि बादल फटने के बाद आने वाला जल प्रवाह इतना तेज नहीं होता। पहले इसकी गति धीमी होती है, कालांतर में गति तेज हो जाती है। इसी वजह से वैज्ञानिक तूफानी गति से पानी–मलबा आने की वजह अस्थायी झील का टूटना बता रहे हैं। भूस्खलन या ग्लेशियर टूटने से झील का पानी सैलाब में बदल गया। इस आशंका को मानने की एक वजह यह भी है कि आपदा वाले दिन जो पानी नीचे आया वह काले रंग का था। साथ मलबा स्लेटी रंग का था। तर्क है कि ऐसा काला पानी व स्लेटी रंग का मलबा पहले से जमा हुए स्थान के टूटने के बाद ही आता है। ऐसी ही स्थिति वर्ष 2021 में चमोली जनपद के ऋषिगंगा हादसे के दौरान एक अस्थायी झील टूटने के बाद जमा मलबे के बहकर आने के वक्त देखी गई थी। दरअसल, वैज्ञानिक पहले भी आशंका जताते रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते बढ़ते तापमान की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पिघली बर्फ के पानी से बनी झीलें कालांतर भूस्खलन या बादल फटने के बाद टूट जाती हैं और सैलाब तेज ढलान पर उतरकर तबाही लाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 की केदार घाटी में आई आपदा भी चोराबारी झील के टूटने से निकले सैलाब की वजह से हुई थी। दूसरी विडंबना यह भी है कि ग्लोबल वार्मिंग व बढ़ते तापमान की वजह से ऊंचे पहाड़ों में बारिश की प्रकृति में कुछ वर्षों से बदलाव आया है। सामान्यतरू तीन चार हजार मीटर की ऊंचाई पर पहले बर्फबारी होती थी, बारिश नहीं। लेकिन अब लगातार होती बारिश से ग्लेशियर टूट रहे हैं। जो कालांतर अस्थायी झील पर गिरते हैं तो झील का पानी पहाड़ों के तीव्र ढलान पर तेजी से बहता है। जब उसके साथ मलबा, पत्थर व मिट्टी मिल जाती है तो उसकी धार मारक हो जाती है। बहरहाल, वास्तविक स्थिति सेटेलाइट इमेज से ही स्पष्ट हो पाएगी।

नाज-ए-हिंद में नजारों का कारवां

डॉ. दीपक पाचपोर

झर–झर बहती ठंडी हवाओं के बीच मुलायम गद्दों और बूटीदार लिहाफों से सजे शिकारा पर लेट कर, बोटिंग करना ताउम्र यादगार अनुभव बन जाता है। झील की एक तरफ तैरती करीब सवा हजार हाउस बोटों की पूरी बस्ती है।

हर घुमक्कड़ी मन कश्मीर की हसीन वादियों में घूमने को बेकरार रहता है। कश्मीर की जमीं पर कदम धरते ही हर मन चहचहा जो उठता है। हिंदुस्तान के नक्शे को पहली नजर से देखकर ही बखूबी अंदाजा लग जाता है कि कश्मीर वाकई नाज–ए–हिंद है। चिनार के दरख्त, सफेद बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां, कल–कल बहते झरने–नहरें और दिलखुश वादियां मिलकर कश्मीर को यूरोप के एल्पस शिखरों पर बसे स्विट्जरलैंड से बढ़ कर खूबसूरत बना देते हैं। गुलाब, ट्यूलिप और तमाम खिले फूल, सफेद शिखर और उमड़ते बादल, झर–झर बहती ठंडी–ठंडी हवाएं, दूर–दूर तक फैले बगीचों ही मखमली घास पर पैदल गुजरना और पैरों के नीचे चिनार के पत्तों के मुड़ने–तुड़ने की आवाज तन–मन को मदमस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ती। जम्मू व कश्मीर की ग्रीष्म राजधानी श्रीनगर झेलम नदी के आसपास बसी है। और दो झीलें हैंकृडल और निगीन लेक। डल लेक तो दिल है। झील का तीस किलोमीटर का घेरा और तैरते अंदाजन पांच हजार शिकारे घूमने आने के न्योता देते हैं। शिकारा अलग रंग– ढंग की किश्तियां ही हैं। शिकारा के चटक रंग और रंग–बिरंगी गद्देदार सीटें इस कघ्दर आकर्षित करती हैं कि बोटिंग न करने वाले भी इनकी सवारी करने को बरबस खिंचे जाते हैं। झर–झर बहती ठंडी हवाओं के बीच मुलायम गद्दों और बूटीदार लिहाफों से सजे शिकारा पर लेट कर, बोटिंग करना ताउम्र यादगार अनुभव बन जाता है। झील की एक तरफ तैरती करीब सवा हजार हाउस बोटों की पूरी बस्ती है। रात ठहरने के लिए बेहद आरामदायक और हर सहूलियत से लेस आलीशान सस्ते–महंगे हर बजट के कमरे हैं। शिकारा में बैठकर ही हाउस बोट तक आते–जाते हैं। शिकारा में लेक का एक चक्कर तकरीबन एक घंटे में पूरा होता है। लेक के बीचोंबीच चिनार के चार दरख्तों के साए तले टापू है, और है नेहरू पार्क। झील पर अपनी तरह का निराला तैरता डाक घर भी है। झील पर तैरती फल, फूल और सब्जियों की मंडियां भी हैं। तैरता मीना बाजार भी है। इस बाजार में, शिकारा पर बैठे–बैठे पश्मीना शॉल, कश्मीरी सूट, नग–नगीने, केसर–शिलाजीत, मेवे वगैरह की कतारबद्ध दुकानों से खरीदारी करना अनूठा अनुभव है। इनके अलावा शिकारे में घूमते–घुमाते भी खघ्रीदारी कर सकते हैं– तैरती दुकानों से। कोयले पर भुनते गर्म भुट्टे, कॉफी– कावा, फ्रूट चाट या कबाब खाने को जी करे, तो सैलानी के शिकारा से सट कर कबाबघ्भुट्टे वाले का शिकारा भी लग जाता है। बोटिंग करते–करते गर्मागर्म स्नैक्स खाने और पेय पीने का अपना लुत्फ है। झील के आखिरी छोर पर तैरते खेतों में भिंडी, फूल गोभी, बैंगन वगैरह किस्म–किस्म की सब्जियां उगाई जाती हैं। यही नहीं, श्रीनगर में एक और झील भी है, नाम है– निगीन लेक। जो डल झील के मुकघबले बहुत छोटी है। श्रीनगर के लाल चौक की शान किसी पुराने शहर की धड़कन और रौनकी इलाकघ्े जैसी ही है। पैदल दूरी पर रेजिडेंसी रोड और पोलो व्यू मार्केट भी हैं। दशकों से जारी खाने–पीने के कई शाकाहारी और मांसाहारी ठिकाने हैं। कश्मीरी मर्द फेरन और औरतें कफ्तान पहनती हैं। ठिठुरती सर्दियों में खुद को गर्म रखने के लिए कांगर (सिकड़ी) का इस्तेमाल गर्मियों की रातों को भी किया जाता है। और प्राचीन श्री शंकराचार्य मन्दिर, हरी पर्वत किला, शाह हमदान मस्जिद, हजरतबल दरगाह, परी महल, बखघ्शी स्टेडियम सहित सब कुछ देखने लायक है। जम्मू–कश्मीर पुलिस का हैडक्वार्टर 1873 से श्रीनगर में है। परी महल की ऊंचाई से समूचे श्रीनगर का लुभावना नजारा देख सकते हैं। एक और आकर्षण है चश्म–ए–शाही। बागों के बीच कुदरती शफाओं से लबालब बहता पानी कमाल का है। हाजमेदार है– भरपेट भोजन के बाद पानी पीएं, तो फौरन और खाने को जी कर उठेगा। मानना है कि पानी पीने से कुछेक बीमारियां सही हो जाती हैं। श्रीनगर से सैर शुरू करके सैलानी कश्मीर घाटी के पहलगाम, गुलमर्ग और सोनमर्ग जरूर जाते हैं, या जाना चाहते हैं। श्रीनगर से वाया अनंतनाग करीब ढाई घंटे के सड़क सफर से पहलगाम पहुंचते हैं। दूरी है करीब 90 किलोमीटर। रास्ते में केसर के बाग और क्रिकेट बेट्स की एक से एक फैक्टरियां– दुकानें हैं। कुछ कश्मीर की सौगात के तौर पर बच्चों के लिए क्रिकेट बल्ले भी खरीद कर ले जाते हैं। रास्ते में, स्पेशल टी स्टॉलों में लोग रुक–रुककर, मेवों से लबालब काढ़ा काहवा चाव से पीते हैं। पहलगाम के पुराने और अच्छे होटलों में से कई ऐन बाजार में ही हैं। अन्य हिल स्टेशनों की मॉल रोड की तरह बाजार छोटा–सा है, लेकिन साफ सुथरा। दोनों तरफ कतार में रेस्टोरेंट और दुकानें हैं। पश्मीना और कलमकारी की शॉलों की दुकानें ज्यादा हैं। ड्राई फ्रूट्स की दुकानें, बेकरी और हलवाई भी हैं। पहलगाम की वादियों में देवदार के पेड़ों की कतारें देखते ही बनती हैं। नजदीक ही अखरोट के बाग हैं। केसर, खुमानी, आड़ू बादाम, चौरी वगैरह के बाग भी खूब हैं। यही अमरनाथ की सालाना तीर्थ यात्रा का आधार शिविर भी है। घ्एक–एक घंटे की सड़क दूरी पर आसपास खघस कुदरती आकर्षण हैंकृबेताब वैली, बैसरन घाटी, चंदनवाड़ी और मिनी स्विट्जरलैंड। चौड़े हरी–भरी घास पर जहां तक चाहें पैदल टहलिए, खेलिए। श्रीनगर की दूसरी दिशा में, 3 घंटे के सड़क सफर से गुलमर्ग पहुंचते हैं। दूर–दूर तक फैला हरा–हरा मैदान है। एक कोने में प्राचीन शिव मंदिर है। यहां फुल मस्ती कीजिए, घुड़सवारी का रोमांच है, या फिर, 'गंडोला' नाम की रोप–वे–ट्रॉली शिखर पर जमी बर्फ पर खेलने ले जाती है। सुदूर पहाड़ी ढाबों में चाय मिले या न मिले, लेकिन मैगी जरूर मिल जाती है।

पहाड़ों पर विकास या विनाश

प्रेम शर्मा

पहाड़ों पर जिस तरह से बिना सोचे समझे प्राकृति से खिड़वाड़ किया जा रहा है उसका साक्षात प्रमाण धराली है। लगातार विकास के नाम पर जिस तरह से अनदेखी कर इस देवभूमि को विनाश की तरफ धकेला जा रहा है। वह इस बॉत का संकेत है कि अपनी क्षणिक सुख की प्राप्ति और ध्यानप्राप्ति के लिए हम अपने ही विनाश की तैयारी कर रहे है। देव भूमि में अब दर्शन और साधना की जगह मौजमस्ती का महौल बनता जा रहा है। गत 5 अगस्त 25 को उत्तरकाशी के जिस धराली गांव में बादल फटने और फिर तीव्र वेग के जल–प्रलय की आपदा आई थी। ऐसी आपदाएं 1864, 2013 और 2014 में भी आ चुकी हैं। अब सवाल यह कि आखिर पहाड़ इतने खौफनाक और खतरनाक क्यों होते जा रहे हैं ? क्या पहाड़ में आवास दूभर हो गया है ? लगातार भू–स्खलन और बाढ़ की घटनाएं क्यों बढ़ती जा रही हैं ? क्या हिमालय पर्वत के हिस्से भी दरकने और बड़े–बड़े पत्थरों के रूप में गिरने लगे हैं ? इन घटनाओं और आपदाओं में बारिश और बादल फटने की घटनाएं 'कुदरत का कहर' मानी जा सकती हैं। इसके अलावा घर, दुकान, मंदिर, इमारतें, होटल आदि का जमींदोज होना, नतीजतन मौत के आंकड़े बढ़ते रहने की आपदाएं 'मानव–निर्मित' हैं। यह हमारा नहीं, मौसम और भूगर्भ वैज्ञानिकों का विश्लेषण है। विकास के नाम पर पहाड़ खोदे जा रहे हैं। पहाड़ों को चीरकर सुरंगें बनाई जा रही हैं। रेल की पटरी बिछाई जा रही है। यही नही नदी–नालों के किनारे अथवा उन्हीं के भीतर होटल, रिजॉर्ट की बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। उत्तराखंड में ही जिस 50,000 वर्ग हेक्टेयर जंगल नष्ट कर वहां पक्की इमारतें बना दी गई हैं। उत्तरकाशी के प्रलय में धराली में आई आपदा ने देश–दुनिया को गहरे तक आहत किया है। मलबे और बाढ़ के पानी के सैलाब ने जिस तरह घरों, होटलों व बगीचों तथा खेत–खलिहानों को तबाह किया, उसने आम लोगों को भयभीत किया। पहाड़ की भौगोलिक जटिलताओं व बचाव के संसाधन पहुंचाने में देरी से राहत कार्य बाधित हुआ है। निस्संदेह, हादसे से जुड़ा पहलू यह भी है कि तंत्र की अनदेखी व खीरगंगा के विस्तार क्षेत्र की आशंकाओं को नजरअंदाज करके जो निर्माण किया गया, वह सैलाब की जद में आया। ऐसे में फिर सवाल यह है कि वे कौन से कारण थे कि बेहद तीव्र वेग से आये सैलाब ने लोगों को भागने तक का मौका नहीं दिया। हालांकि, मरने वालों की वास्तविक संख्या सामने नहीं आयी है, लेकिन सैलाब की भयावहता को देखकर अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि जनधन की बड़ी हानि हुई होगी। अब असली सवाल यह है कि ये आपदा कैसे आयी। आजकल ऐसे हादसों की साधारण व्याख्या होती है कि हादसा बादल फटने से हुआ। लेकिन धराली में आपदा की वजह बादल फटना मानने को वैज्ञानिक तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिक इस वजह से बादल फटने के तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार 4–5 अगस्त को उस क्षेत्र में महज आठ से दस मिमी बारिश ही हुई थी। वैज्ञानिक मानक के अनुसार बादल फटने की घटना तब होती है जब उस इलाके में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई हो। दरअसल, धराली गांव के पीछे डेढ़–दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। दोनों तरफ ऊंचे व तीव्र ढलान वाले पहाड़ हैं। जिस खीरगंगा में फ्लैश फ्लड आया है, वो उन्हीं घने जंगलों से होकर गुजरती है। वैज्ञानिक एक तर्क पर विचार कर रहे हैं कि कहीं घने जंगलों वाले इलाके में भूस्खलन की वजह से पानी का प्रवाह रुक गया होगा, जिसके बाद अस्थाई झील टूटने से आपदा आई होगी। वैज्ञानिकों के इन तथ्यों को नकारा नही जा सकता। दरअसल, इस जल प्रलय की जद में आने वाला क्षेत्र फ्लड प्लेन इलाके में बसा है। उसके ऊपर के इलाके में बर्फीले पर्वत बताए जाते हैं। यह हकीकत है कि धराली और उसके आस–पास बेहद संकरी घाटी और ऊंचे पहाड़ हैं। वैज्ञानिकों का तर्क है कि बादल फटने के बाद आने वाला जल प्रवाह इतना तेज नहीं होता। पहले इसकी गति धीमी होती है, कालांतर में गति तेज हो जाती है। इसी वजह से वैज्ञानिक तूफानी गति से पानी–मलबा आने की वजह अस्थायी झील का टूटना बता रहे हैं। भूस्खलन या ग्लेशियर टूटने से झील का पानी सैलाब में बदल गया। इस आशंका को मानने की एक वजह यह भी है कि आपदा वाले दिन जो पानी नीचे आया वह काले रंग और मलबा स्लेटी रंग का था। तर्क है कि ऐसा काला पानी व स्लेटी रंग का मलबा पहले से जमा हुए स्थान के टूटने के बाद ही आता है। ऐसी ही स्थिति वर्ष 2021 में चमोली जनपद के ऋषिगंगा हादसे के दौरान एक अस्थायी झील टूटने के बाद जमा मलबे के बहकर आने के वक्त देखी गई थी। दरअसल, वैज्ञानिक पहले भी आशंका जताते रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते बढ़ते तापमान की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पिघली बर्फ के पानी से बनी झीलें कालांतर भूस्खलन या बादल फटने के बाद टूट जाती हैं और सैलाब तेज ढलान पर उतरकर तबाही लाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 की केदार घाटी में आई आपदा भी चोराबारी झील के टूटने से निकले सैलाब की वजह से हुई थी। दूसरी विडंबना यह भी है कि ग्लोबल वार्मिंग व बढ़ते तापमान की वजह से ऊंचे पहाड़ों में बारिश की प्रकृति में कुछ वर्षों से बदलाव आया है। सामान्यतरू तीन चार हजार मीटर की ऊंचाई पर पहले बर्फबारी होती थी, बारिश नहीं। लेकिन अब लगातार होती बारिश से ग्लेशियर टूट रहे हैं। जो कालांतर अस्थायी झील पर गिरते हैं तो झील का पानी पहाड़ों के तीव्र ढलान पर तेजी से बहता है। जब उसके साथ मलबा, पत्थर व मिट्टी मिल जाती है तो उसकी धार मारक हो जाती है। बहरहाल, वास्तविक स्थिति सेटेलाइट इमेज से ही स्पष्ट हो पाएगी।

दगाबाज चीन पर भरोसा करके फिर चोट खाने के रिस्क क्यों उठा रहे हैं भारत के प्रधानमंत्री मोदी?

कमलेश पांडे

जब भी हमारे देश का कोई प्रधानमंत्री चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे शत्रु देशों से वैश्विक कूटनीति के नाम पर प्रेम और भरोसे के पींगे बढ़ाना चाहता है, या फिर नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार या तिब्बतियों पर भारतीयों की गाढ़ी कमाई लुटाता है तो मेरे मन में एक ही सवाल पैदा होता है कि हमारे इन नेताओं को इतिहास का ज्ञान नहीं है, या फिर भौगोलिक सच्चाई से ये नादान हैं। क्या इन्हें उन वीर जवानों और साम्प्रदायिक दंगा, आतंकवाद, नक्सलवाद, संगठित अपराध की भेंट चढ़े आमलोगों व सुरक्षा कर्मियों के चेहरे याद नहीं आते, उनकी विधवाओं और बच्चों, वृद्ध माता पिता आदि की याद नहीं आती, जिनकी असमय मौत का एकमात्र कारण चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश या इनका रिंग मास्टर अमेरिका की विध्वंसक नीतियां रही हैं। मसलन, यहां पर सवाल भूमि के किसी कब्जाए हुए टुकड़े या सांप्रदायिक मिजाज पर वर्चस्व की मानसिकता का नहीं है, बल्कि उन दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक–प्रशासनिक फैसलों से जुड़ा हुआ है जिसकी कीमत हमारे वीर जवानों और आम आदमियों को चुकानी पड़ती है। जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने कहा था कि हम इतिहास बदल सकते हैं, लेकिन भूगोल नहीं, के बारे में सिर्फ इतनी सी दलील देना चाहूंगा कि आप इतिहास और भूगोल को यथावत रहने दीजिए, बस अपने राजनीति विज्ञान के विषय वस्तु बदल दीजिए। आपको पता होना चाहिए कि राजनीति विज्ञान परिवर्तन शील होता है, इसलिए इसे हमारे वीर जवानों और आम आदमियों के अनुकूल बना दीजिए। आपको भी इस बात का आभास होगा कि हमारे दलित–पिछड़े लोग इन सूक्ष्म प्रशासनिक बारीकियों को नहीं समझ पाते हैं, इसलिए इस अहम बदलाव के लिए किसी जनादेश का इंतजार मत कीजिए, बल्कि अपनी अंतरआत्मा से फैसले लीजिए। यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इस महीने के आखिर में चीन जा सकते हैं। यह सम्मेलन 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के उत्तरी शहर तियानजिन में होना है। सवाल है कि ऐसा अप्रत्याशित कदम वह तब उठा रहे हैं, जब अमेरिका–चीन प्रेरित हिन्दू विरोधी पाकिस्तानी आतंकवादी पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर से मिले जख्मों को ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जबकि साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के बाद यह मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। वह इससे पहले 2018 में चीन गए थे। सीधा सवाल है कि जब प्रधानमंत्री मोदी गलवान सैन्य झड़प से इतने व्यथित थे कि लगातार पांच सालों तक चीन नहीं गए तो अब फिर पहलगाम कांड के तुरंत बाद ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्या आपकी अंतरात्मा अब मर चुकी है या फिर अप्रत्याशित अमेरिकी धोखे मिलने के बाद अगले चीनी धोखे खाने की बुनियाद रखने को लालायित मालूम पड़ते हैं! क्या आपको नहीं पता कि जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी की सद्भावना को मुंह को मुंह चिढ़ाने वाला चीन कभी भी भारत का सगा नहीं हो सकता। सुलगता सवाल है कि वर्ष1962 से साल 2020 तक जब चीन की फितरत नहीं बदली तो आगे फिर किस नीतिगत करिश्मे की उम्मीद आपको है। क्या वह डोकलाम झड़प विस्मृत कर चुके हैं? क्या वह तवांग दंश भूल चुके हैं? क्या बोमडिला उन्हें याद नहीं? क्या आपकी इस यात्रा से लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक की उसकी क्षुद्र मानसिकता बदल जाएगी? क्या भारत को उसके ही पड़ोसियों द्वारा घेरने की उसकी फ़ितरत बदल जाएगी? यहां पर मैं यह समझ सकता हूँ कि हमारे कतिपय असरदार पर गद्दार नेताओं–अधिकारियों–उद्योगपतियों की तिकड़ी ने क्षणिक लाभवश अदूरदर्शिता दिखाते हुए अमेरिकी दबाव में भारतीय अर्थव्यवस्था को चीनी अर्थव्यवस्था पर निर्भर बना दिया। लेकिन इसी दिक्कत को दूर करने के लिये ही तो यूपीए के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को 10 वर्षों के बाद सत्ता से बाहर करते हुए एनडीए के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्रीय सत्ता सौंपी गई। आप पिछले 11 वर्षों से सत्ता में हैं, लेकिन यह समझने में असमर्थ प्रतीत हो रहे हैं कि रूसी दबाव में चीनी मित्रता का प्रयास अपने ही पैर में कुल्हाड़ी मारने जैसा मूर्खता भरा कदम साबित होगा। यह जान लीजिए कि इतिहास खुद को दोहराता है और आप इससे बच नहीं सकते। मेरी स्पष्ट राय है कि अमेरिका से तल्खी के बीच चीन–ईरान से बढ़ रही नज़दीकी कदापि भारत के पक्ष में नहीं होगी। खबर है कि पीएम नरेन्द्र मोदी एससीओ लीडर्स समिट में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात कर सकते हैं। वहीं इस दौरान वो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते है। वहीं, चीन यात्रा से एक दिन पहले पीएम का जापान जाने का भी कार्यक्रम है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इन दोनों ही यात्राओं को लेकर फिलहाल कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन बीते कुछ वक्त से भारत और चीन के संबंध सामान्य होने की दिशा में है। बीते महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर चीन की यात्रा पर थे। उन्होंने राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात में इस बात का जिक्र किया था कि किस तरह से पीएम मोदी और चिनफिंग के निर्देशन से द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली है। उसी चीन यात्रा के लिए ग्राउंड वर्क तैयार रहा करने के लिहाज से अहम थी। इससे पहले जून महीने में ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और रक्षा मंत्री राजनाथ भी चीन का दौरा किया था। सवाल है कि इतने तल्खी भरे रिश्ते के बावजूद भी दोनों देश कैसे करीब आए तो जवाब होगा कि पिछले वर्ष रूस में मोदी–जिनपिंग की हुई मुलाकात के बाद द्विपक्षीय रिश्तों की बर्फ़ ही नहीं पिघली, बल्कि पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर जैसा तात्कालिक जख्म भी मिला, जिससे अमेरिका–चीन दोनों बेनकाब हुए। इससे पहले बंगलादेश से भारत समर्थक शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट किया गया। भारत ने यहां भी आत्मघाती चुप्पी साधी, जिससे अमेरिका–चीन के हौसले बढ़े। यह ठीक है कि गत 23 जुलाई को पांच साल के अंतराल के बाद भारत ने चीन के लिए टूरिस्ट वीजा की बहाली की। वहीं, इस साल की शुरुआत में कैलाश मानसरोवर पर सहमति बनने के बाद 26 अप्रैल को इसके शेड्यूल की घोषणा हुई। वहीं, अब सीधी फ्लाइट्स की बहाली को लेकर भी सकारात्मक चर्चा चल रही है। इन परिस्थितियों में हमारी स्पष्ट सोच है कि अमेरिका, रूस, चीन को बातचीत के टेबल पर स्पष्ट कर दिया जाए कि आसेतु हिमालय के भारत के पड़ोसी देशों, अरब देशों, आशियान देशों में कोई भी भारत विरोधी कदम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि भारत गुटनिरपेक्ष देश ही नहीं बल्कि ग्लोबल साउथ का अगुवा राष्ट्र भी है। यदि चीन सहमत हैं तो प्रेम के पींगे बढ़ाइए, अन्यथा फुलस्टॉप लगा दीजिए। ऐसा करना ही हमारे लिए आर्थिक और सैन्य दृष्टि से श्रेयस्कर होगा। इससे भारत–चीन की ब्रेक के बाद होने वाली लड़ाई भी थम जाएगी।

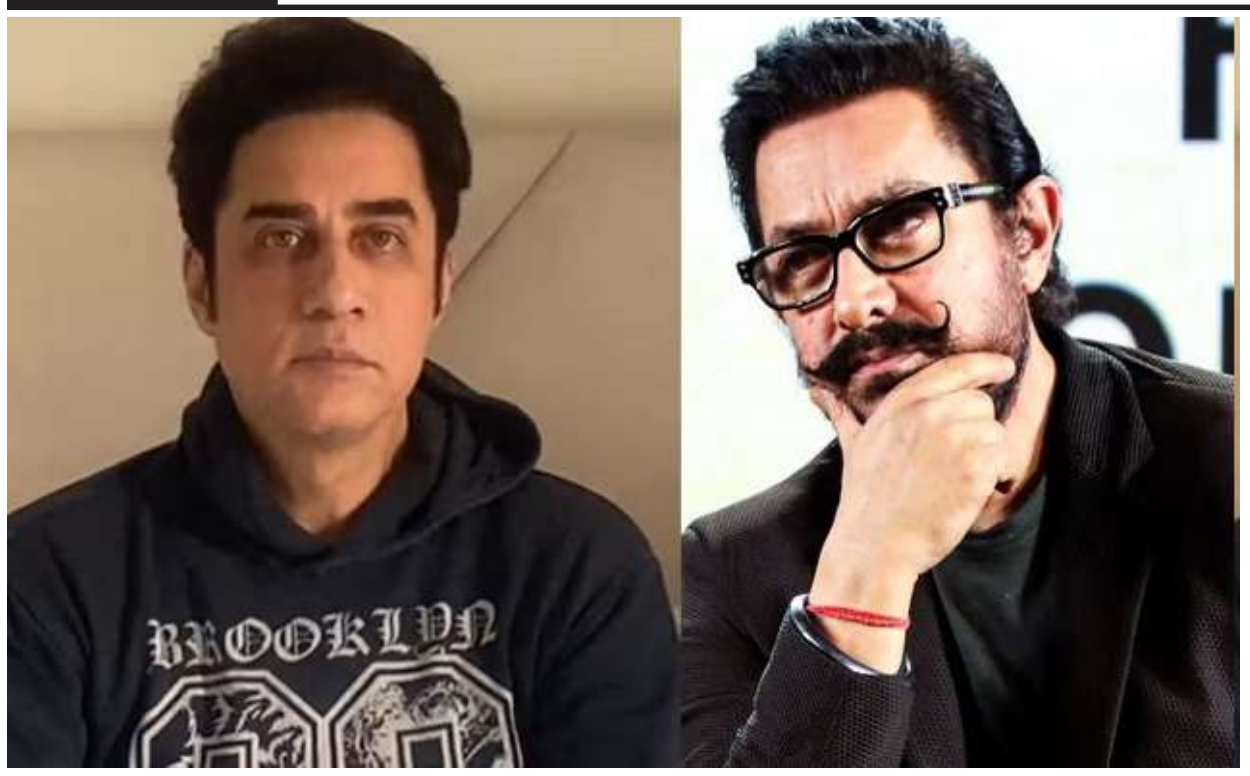

मुझे 1 साल तक कैद कर दिया, मेरा मोबाइल ले लिया..फैसल ने भाई आमिर खान पर लगाया आरोप, किए शॉकिंग ऐसे दावे

सुपरस्टार आमिर खान बॉलीवुड इंडस्ट्री के दमदार हीरोज में से एक हैं, जिनकी देश दुनिया में काफी अच्छी इमेज बनी हुई है। इसी बीच एक्टर के भाई और एक्टर फैसल खान ने मिस्टर परफेक्शनिस्ट को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। फैसल ने दावा किया कि कुछ साल पहले आमिर ने उन्हें मुंबई स्थित अपने घर में एक साल से ज्यादा समय तक बंद रखा था। उनके परिवार का कहना था कि उन्हें सिजोफ्रेनिया है, वह श्एक पागल इंसान हैं और समाज को नुकसान पहुंचा सकते हैं। तो आइए जानते हैं फैसल ने अपने इंटरव्यू में और क्या कहा.. फैसल ने कहा कि, उस वक्त मुझे लगा कि वह फंस गए हैं, क्योंकि सब कह रहे थे कि मुझे सिजोफ्रेनिया हो गया है और मैं एक पागल इंसान हूं। मैं समाज को नुकसान पहुंचा सकता हूं। ये सब बातें हो रही थीं। मैं खुद को देख रहा था कि यार मैं इस चक्रव्यूह से कैसे निकला, सच में यह चक्रव्यूह हो गया था मेरे लिए। मैं फंस गया था क्योंकि सारी फैमिली मेरे खिलाफ जा रही थी। फैसल का कहना है कि उनका फोन छीन लिया गया था और उन्हें बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी। फैसल खान ने उस वक्त को याद करते हुए कहा कि वह मदद के लिए दुआ करते थे और उम्मीद करते थे कि उनके पिता उनकी मदद के लिए आगे आएंगे। मैं समझ नहीं पा रहा था कि बाहर कैसे निकलूं, आमिर ने मुझे कैद कर दिया था घर में एक साल। मोबाइल ले लिया, मैं बाहर नहीं जा सकता था। बॉडीगार्ड मेरे कमरे के बाहर थे और दवाइयां दी जाती थी मुझे। फैसल ने बताया कि एक साल बाद, जब उन्होंने जिद की, तो आमिर ने उन्हें दूसरे घर में रहने दिया। इससे पहले, फैसल ने बताया था कि जेजे अस्पताल में 20 दिनों तक उनका मेंटली टेस्ट किया गया था, जिसमें वे हेल्दी पाए गए। बता दें, आमिर खान और फैसल ने फिल्म मेला में साथ काम किया था। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना अहम रोल में नजर आई थीं। फैसल के करियर की बात करें तो उन्होंने 1988 में श्कयामत से कयामत तकश में विलेन की भूमिका निभाकर अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। जिसके बाद उन्होंने मदहोश और चिनार दास्तान–ए–इश्क जैसी फिल्मों में नजर आए। इसके अलावा फैसल ने भाई आमिर खान के साथ फिल्म मेला में काम किया था। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना अहम रोल में नजर आई थीं।

> “ फैसल खान ने उस वक्त को याद करते हुए कहा कि वह मदद के लिए दुआ करते थे और उम्मीद करते थे कि उनके पिता उनकी मदद के लिए आगे आएंगे। मैं समझ नहीं पा रहा था कि बाहर कैसे निकलूं, आमिर ने मुझे कैद कर दिया था घर में एक साल। मोबाइल ले लिया, मैं बाहर नहीं जा सकता था। बॉडीगार्ड मेरे कमरे के बाहर थे और दवाइयां दी जाती थी मुझे।

केबीसी के सीजन 16 में कंटेस्टेंट्स ने जीते कितने करोड़? इस सीजन से पहले हुआ खुलासा

कौन बनेगा करोड़पति सीजन 17 ने अपने दमदार कैंपेन 'जहां अकल है, वहां अकड़ है' के साथ जबरदस्त चर्चा बटोरी है, एक ऐसा विचार जिसने पूरे देश की सोच को छू लिया है। नया सीजन आम आदमी की अकल (ज्ञान) और उसे लेकर उनकी अकड़ (गर्व) का जश्न है और केबीसी में, यह गर्व अक्सर बड़ी जीत में बदल जाता है। पिछले 16 सीजन में, प्रतिभागियों ने मिलकर लगभग 239 करोड़ की इनामी राशि जीती है। सीजन 17 के प्रोमो, जिसमें होस्ट अमिताभ बच्चन नजर आ रहे हैं, ने दर्शकों के दिलों में तुरंत जगह बना ली है, जहां झलक मिलती है शानदार जवाबों की, रोमांचक खेल की और शायद रिकॉर्ड तोड़ जीत की, ये सब मिलकर इसे अब तक के सबसे शानदार केबीसी सीजन में से एक बनाते हैं। लगभग 1368 एपिसोड और 16 यादगार सीजन की इस मशहूर यात्रा में, अब तक करीब 2143 प्रतिभागियों ने हॉटसीट पर बैठने का मौका पाया है। इस नए सीजन में देखें ज्ञान, गर्व और जिंदगी बदल देने वाली जीतों की असाधारण कहानियां। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 17 का प्रीमियर 11 अगस्त से, सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर होगा।

फिल्म बर्फी के 13 साल पूरे होने पर प्रियंका चोपड़ा ने शेयर की भावुक यादें, पिता के साथ आखिरी लम्हों को किया याद

प्रियंका चोपड़ा स्टारर फिल्म 'बर्फी' को रिलीज हुए 13 साल पूरे हो चुके हैं, जिसमें एक्ट्रेस ने झिलमिल नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया था, जो ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से ग्रसित होती है। प्रियंका का यह अभिनय न केवल चुनौतीपूर्ण था, बल्कि बेहद सराहनीय भी रहा। अब फिल्म के 13 साल पूरे होने के अवसर पर प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई इमोशनल पोस्ट्स शेयर कीं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के अनुभवों और किरदार में ढलने की प्रक्रिया को याद किया। एक खास इंस्टा स्टोरी में उन्होंने अपने माता–पिता के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा,"यह आखिरी बार था जब पापा किसी फिल्म के सेट पर आए थे।" इस पोस्ट के जरिए उन्होंने अपने दिवंगत पिता डॉ. अशोक चोपड़ा को याद किया, जो प्रियंका के करियर में हमेशा एक मजबूत स्तंभ रहे हैं। प्रियंका ने एक और इंस्टा स्टोरी में उस पल की तस्वीर शेयर की जब उन्हें बर्फी के लिए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया था। उस अवॉर्ड को लेने के लिए उनके पिता खुद स्टेज पर उनके साथ गए थे। प्रियंका ने उस तस्वीर के साथ लिखा मेरी जीत, उनकी जीत थी। यह आखिरी बार था जब वह किसी सार्वजनिक मंच पर दिखाई दिए थे। इसके तीन महीने बाद वह दुनिया से विदा हो गए। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और फैंस भी उनके इस इमोशनल ट्रिब्यूट की जमकर तारीफ कर रहे हैं। प्रियंका ने अपने पोस्ट में फिल्म के निर्देशक अनुराग बसु की भी दिल से सराहना की और कहा कि उन्होंने एक ऐसी फिल्म बनाई जो वर्षों बाद भी दर्शकों के दिलों में बसी हुई है। उनके विजन और निर्देशन की तारीफ करते हुए प्रियंका ने कहा कि श्बर्फीश उनके करियर का एक बेहद खास हिस्सा है। बता दें, साल 2012 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु ने किया था, जिसमें रणबीर कपूर, प्रियंका चोपड़ा और इलियाना डी क्रूज ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई थीं। 35 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 188 करोड़ का कारोबार किया था। इन आंकड़ों से साफ है कि बर्फी ने न केवल दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी सफलता की मजबूत छाप छोड़ी।

होटल के कमरे में ऑडिशन, डायरेक्टर ने पार की सारी हदें, जैस्मिन भसीन ने किसी तरह बचाई जान

दिल से दिल तक और नागिन 4 जैसे सीरियल्स से शोहरत बटोर चुकीं अभिनेत्री जैस्मिन भसीन ने अपने करियर के शुरुआती दिनों से जुडा एक किस्सा शेयर किया है। अभिनेत्री ने बताया कि एक ऑडिशन के दौरान डायरेक्टर ने अपनी हदें पार करने की कोशिश की थी। जैस्मिन के इस खुलासे ने उनके प्रशंसकों को चौंका दिया है। द हिमांशु मेहता शो में, जैस्मीन ने एक ऑडिशन का जिक्र किया, जो होटल के एक कमरे में था। उन्होंने बताया, श्मैं ऑडिशन के लिए बॉम्बे आई थी, और जुहू के एक होटल में एक मीटिंग थी। लॉबी में बहुत सारी लडकियां और अभिनेत्रियां इंतजार कर रही थीं, और कई कोऑर्डिनेटर भी थे। सभी लोग मीटिंग के लिए अंदर जा रहे थे। जब मेरी बारी आई, तो एक आदमी को शराब पीते और मुझे ऑडिशन देने के लिए कहते देखकर मैं डर गई। कोऑर्डिनेटर भी कमरे से बाहर चला गया। तो पहले तो मैं डर गई। उन्होंने आगे कहा, श्उसके बाद, उन्होंने मुझसे कहा, श्तुम्हें यह सीन करना होगा।श तो मैंने उनसे कहा, श्सर, ठीक है, मैं सीन तैयार करके कल आऊंगी।श उन्होंने कहा, श्नहीं, नहीं, तुम्हें अभी करना होगा।श उन्होंने मुझे एक सीन बताया, जैसे, श्तुम्हारा प्रेमी जा रहा है, तुम्हें उसे रोकना होगा। तो मैंने वैसा ही किया। उन्होंने कहा, श्नहीं, ऐसे नहीं। तुम्हें...श फिर उन्होंने मुझे कमरे में बंद कर दिया और कुछ और करने की कोशिश करने लगे। लेकिन मैंने अपने हुनर का इस्तेमाल किया और वहां से भाग निकली। उस दिन, मैंने तय कर लिया कि अब कभी भी होटल के कमरे में कोई मुलाकात नहीं होगी, जिंदगी में कभी नहीं। जैस्मीन को आखिरी बार करण जौहर के रियलिटी गेम शो द ट्रेटर्स में देखा गया था, जिसमें महीप कपूर, जन्नत जुबैर, ऊर्फी जावेद, पूरव झा, आशीष विद्यार्थी, अपूर्वा मुखीजा और अंशुला कपूर भी थे। इस शो को ऊर्फी जावेद और निकिता लूथर ने जीता था। जैस्मीन ने अभी तक अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है।

वाणी कपूर और फवाद खान की `अबीर गुलाल' पर अपडेट, नाम बदलकर फिल्म रिलीज की प्लानिंग में मेकर्स ?

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर और पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अबीर गुलाल' एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। यह फिल्म पहले 9 मई 2025 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद देशभर में उपजे आक्रोश को देखते हुए फिल्म की रिलीज पर तत्काल रोक लगा दी गई थी। वहीं, अब लेटेस्ट रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की टीम भारत को छोड़कर इसे वैश्विक स्तर पर रिलीज करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विश्वभर में यह फिल्म 29 अगस्त 2025 को रिलीज की जा सकती है। हालांकि, भारतीय दर्शकों को इसे सिनेमाघरों में देखने का मौका शायद ना मिले, क्योंकि भारत में यह फिल्म बैन ही रहेगी। हालांकि, अभी तक फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। एक और दिलचस्प जानकारी सामने आई है– फिल्म के टाइटल में स्पेलिंग चेंज किया जा सकता है। मौजूदा टाइटल 'अबीर गुलाल है, लेकिन इसे बदलकर ' ।इममत ळनसंस' किया जा सकता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह बदलाव न्यूमेरोलॉजी, सेन्सर शर्तों, या इमेज रीब्रांडिंग की वजह से किया जा रहा है। हालांकि, टाइटल में बदलाव फिल्म की मार्केटिंग रणनीति का हिस्सा हो सकता है।

फवाद खान पहले भी कई बार अपने बयानों को लेकर विवादों में रहे हैं, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद उन्होंने जिस तरह भारत विरोधी टिप्पणियां कीं, उसने दर्शकों की नाराजगी और बढ़ा दी। उनके साथ–साथ कई अन्य पाकिस्तानी कलाकारों ने भी भारतीय कार्रवाई की आलोचना की थी, जिसके बाद भारत सरकार और फिल्म इंडस्ट्री ने उनके खिलाफ सख्त रुख अपनाया। इसी कारण से अब 'अबीर गुलाल' की भारत में रिलीज असंभव मानी जा रही है।

लौकी को देखकर टेढ़े–मेढ़े मुंह बनाता है बच्चा, तो इन डिशेज को एक बार करें ट्राई

शायद ही कोई ऐसा बच्चा हो, जो लौकी खाना पसंद करता हो। हालांकि, यह एक ऐसी सब्जी है, जिसे सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें ना केवल काफी कम कैलोरी होती है, बल्कि वाटर कंटेंट भी काफी अधिक होता है।

बच्चों की सेहत का ख्याल रखने के लिए जरूरी है कि उनकी डाइट में तरह–तरह की सब्जियों को शामिल किया जाए। हालांकि, अक्सर बच्चे सब्जियों से बचते नजर आते हैं और लौकी का तो नाम सुनकर ही वे टेढ़े–मेढ़े मुंह बनाने लगते हैं। शायद ही कोई ऐसा बच्चा हो, जो लौकी खाना पसंद करता हो। हालांकि, यह एक ऐसी सब्जी है, जिसे सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें ना केवल काफी कम कैलोरी होती है, बल्कि वाटर कंटेंट भी काफी अधिक होता है। इसके अलावा, इसमें कई तरह के विटामिन व मिनरल्स पाए जाते हैं, जो बच्चों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। अब सवाल यह उठता है कि बच्चे को लौकी किस तरह खिलाई जाए। आप इसकी मदद से कई अलग–अलग डिश बनाकर ट्राई करें। यकीन मानिए, बच्चों को यह डिशेज काफी पसंद आएंगी और वे बार–बार इन्हें खाने की जिद करेंगे। तो चलिए जानते हैं ऐसी ही कुछ डिशेज के बारे में–

लौकी पराठा

बच्चों को पराठा खाना काफी पसंद होता है। आप एक बार उन्हें लौकी पराठा खिलाइए। दही या केचप के साथ यह काफी अच्छा लगता है।

आवश्यक सामग्री–

1 कप कद्दूकस व निचोड़ी हुई लौकी
1 कप गेहूं का आटा
1 छोटा चम्मच जीरा
स्वादानुसार नमक
आधा छोटा चम्मच हल्दी
आधा छोटा चम्मच अजवाइन
1–2 बड़े चम्मच बारीक कटा धनिया
पराठा सेकने के लिए घी या तेल

लौकी पराठा कैसे बनाएं–

घी को छोड़कर बाकी सभी सामग्री आटे में मिलाएं और आटा गूंध लें।

अब आप इससे छोटे–छोटे पराठे बेल लें।

तवे पर घी/तेल लगाकर दोनों तरफ से सुनहरा सेक लें।

दही, अचार या केचप के साथ गरमागरम परोसें।

लौकी का हलवा

अगर बच्चा मीठा खाना पसंद करता है तो आप उसके लिए लौकी का हलवा भी बना सकती हैं। यह काफी क्रीमी, हल्का मीठा, और ड्राय फ्रूट्स से भरपूर होता है और बच्चों को काफी पसंद आता है।

आवश्यक सामग्री–

1 कप कद्दूकस की हुई लौकी
1 कप दूध
1 छोटा चम्मच घी
2–3 बड़े चम्मच शक्कर या गुड़
इलायची पाउडर
कटे हुए बादाम और किशमिश

लौकी का हलवा कैसे बनाएं–

कढ़ाई में घी गरम करके लौकी को 5 मिनट भून लें।

अब दूध डालें और मिक्स करते हुए गाढ़ा होने तक पकाएं।

शक्कर या गुड़ डालें और अच्छे से मिलाएं।

ऊपर से इलायची पाउडर और ड्राय फ्रूट्स डालें।

अपनाएं ये 5 घरेलू तरीके, बॉडी हो जाएगी नेचुरली डिटॉक्स

फेस्टिवल बाद ऐसे करें बॉडी को डिटॉक्स

त्योहारों का समय खाने–पीने के लिए बेहद खास होता है। इस दौरान हम स्वादिष्ट मिठाइयों, तले–भुने पकवानों और मसालेदार खाने का खूब आनंद लेते हैं। लेकिन यही चीजें अगर ज्यादा मात्रा में खा ली जाएं, तो शरीर में टॉक्सिन्स (विषैले तत्व) जमा हो जाते हैं। इसका असर हमारे पाचन तंत्र, लिवर, स्किन और किडनी पर पड़ता है। इन टॉक्सिन्स की वजह से हम थकान, पेट की समस्या और सुस्ती महसूस करते हैं। इसलिए त्योहार के बाद शरीर को डिटॉक्स करना जरूरी हो जाता है, ताकि हम फिर से एनर्जेटिक और हेल्दी महसूस करें। रंजना न्यूट्रीग्लो क्लीनिक (गाजियाबाद) की डायटिशियन रंजना सिंह ने कुछ बेहद आसान और असरदार नेचुरल डिटॉक्स टिप्स बताए हैं जिन्हें आप घर बैठे ही फॉलो कर सकते हैं। आइए जानें क्या करें और क्या न करें

नींबू–शहद वाला गुनगुना पानी दिन की करें हेल्दी शुरुआत

सुबह खाली पेट गर्म पानी में एक नींबू निचोड़ें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। यह शरीर से जहरीले तत्व बाहर निकालने में मदद करता है, मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है और पाचन तंत्र को बेहतर करता है। साथ ही यह वजन कम करने में भी सहायक है।

हरी सब्जियां और ताजे फल करें शामिल

त्योहारों के हैवी खाने के बाद कुछ दिन तक हल्का और फाइबर से भरपूर खाना खाएं। पालक, मेथी, ब्रोकली जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां और सेब, पपीता, अमरूद जैसे फल शरीर को अंदर से साफ करते हैं और लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं।

भरपूर पानी और हर्बल चाय पिएं

शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। दिन भर में कम से कम 8–10 गिलास पानी जरूर पिएं। साथ ही ग्रीन टी, तुलसी चाय या अदरक वाली हर्बल चाय पीना फायदेमंद है। ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं और शरीर की सफाई में मदद करती हैं।

कुछ दिन तक जंक और मीठे से दूरी

त्योहारों के बाद शुगरी चीजें, प्रोसेस्ड फूड, बेकरी आइटम और डीप फ्राइड स्नैक्स से परहेज करें। इनकी जगह भुना हुआ चना, मखाना, फल या घर का बना हेल्दी सलाद खाएं। इससे शरीर में नए टॉक्सिन्स बनने से बचेंगे और पुरानों की सफाई होगी।

हल्की एक्सरसाइज और योग को बनाएं दिनचर्या

शरीर से पसीना निकालना एक नेचुरल डिटॉक्स तरीका है। रोजाना 30 मिनट वॉक, योग या हल्की एक्सरसाइज जरूर करें। कपालभाति, प्राणायाम और भुजंगासन जैसे योगासन शरीर को शुद्ध करने में बेहद असरदार होते हैं। साथ ही 7–8 घंटे की अच्छी नींद और तनाव से दूरी भी डिटॉक्स का हिस्सा हैं। अगर संभव हो, तो इंटरमिटेंट फास्टिंग भी कर सकते हैं।

इन आसान उपायों को अपनाकर आप त्योहार के बाद शरीर में जमा टॉक्सिन्स को बिना किसी दवा के नेचुरल तरीके से बाहर निकाल सकते हैं। इससे न केवल आप हल्का और एनर्जेटिक महसूस करेंगे, बल्कि आपकी स्किन, पाचन और इम्यून सिस्टम भी बेहतर हो जाएगा।

हैवी इयररिंग्स से अब कान नहीं पकेंगे, ये टिप्स दिलाएंगे दर्द से छुटकारा

किसी भी त्योहार, फंक्शन और पार्टी के मौके पर हम सभी इंडियन और वेस्टर्न ड्रेस के साथ हैवी इंयररिंग्स कैरी करते हैं। जिससे हमारा लुक काफी इंप्रेसिव नजर आता है। खासकर लड़कियां बड़े इवेंट पर बिग इयररिंग्स कैरी करना पसंद करती हैं। ऐसा करने से आउटफिट का लुक अधिक निखरकर आता है। खासकर एथनिक आउटफिट के साथ हैवी झुमकों का काफी चलन है। यह देखने में क्लासी लगता है। वहीं हैवी इयररिंग्स हमारी खूबसूरती में भी चार चांद लगा देते हैं। लेकिन हैवी इयररिंग्स कुछ देर पहनने के बाद कानों में दर्द, खिंचाव और कान के पकने की समस्या होने लगती है। अगर यह समस्या आपके साथ भी होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन उपायों को आजमाने से आप कान के पकने और दर्द जैसी समस्या से राहत पा सकती हैं।

हैवी इयररिंग्स कुछ देर पहनने के बाद कानों में दर्द, खिंचाव और कान के पकने की समस्या होने लगती है। अगर यह समस्या आपके साथ भी होती है, तो आज हम आपको कुछ घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। इससे आप कान के पकने और दर्द जैसी समस्या से राहत पा सकती हैं।

पैट्रोलियम जेली

भारी इयररिंग्स पहनने के बाद कान पक जाते हैं और दर्द करने लगते हैं। ऐसे में आप हैवी इयररिंग्स पहनने से पहले कानों में पैट्रोलियम जैली लगाएं। इसके बाद झुमके पहनें। इससे आपके कानों को किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

नीम का पेस्ट

अगर हैवी झुमके पहनने के बाद आपके कान भी पक जाते हैं, तो झुमके उतारने के बाद कानों के एयरलोबस पर नीम की पत्ती का पेस्ट लगाना चाहिए। रातभर इस पेस्ट को लगा रहने दें। क्योंकि नीम में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। इसलिए यह पके हुए कानों को जल्दी ठीक करेगा और आपको दर्द में भी राहत मिलेगी।

हल्दी और तेल

बता दें कि हल्दी और सरसों के तेल में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। इसलिए हैवी झुमके पहनने के बाद हल्दी और सरसों का तेल मिक्स करके कानों में लगाएं। इस नुस्खे से कानों में किसी भी तरह का दर्द, इंफेक्शन नहीं होगा और आपके कान भी नहीं पकेंगे।

गर्म पानी में नमक

अगर आपके कान भी हैवी झुमके पहनने के बाद पक जाते हैं, तो आप गर्म पानी में नमक डालकर कॉटन की मदद से इसको अपने कानों पर लगा सकती हैं। इससे कानों के पकने और दर्द होने का डर नहीं रहेगा।

संक्षिप्त

नागरिक संस्था ने आईसीआईसीआई बैंक के बचत खातों में न्यूनतम जमा राशि बढ़ाने का विरोध किया

बैंकिंग हितधारकों की पैरोकारी करने वाली एक नागरिक संस्था ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर आईसीआईसीआई बैंक के बचत खातों में न्यूनतम जमा राशि बढ़ाने का विरोध किया है। नागरिक संस्था बैंक बचाओ देश बचाओ मंच ने वित्त मंत्री को लिखे पत्र में आईसीआईसीआई बैंक के इस फैसले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। संगठन ने कहा कि ऐसा कदम सरकार के समावेशी बैंकिंग और विकास के दृष्टिकोण के लिए हानिकारक है। वित्त सचिव को लिखे एक पत्र में बैंक बचाओ देश बचाओ मंच ने निजी क्षेत्र के इस बैंक के फैसले को अन्यायपूर्ण और प्रतिगामी करार दिया। आईसीआईसीआई बैंक ने एक अगस्त या उसके बाद खोले गए नए बचत खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता को पांच गुना बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया है। आईसीआईसीआई बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अर्ध–शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एमएबी को पांच गुना बढ़ाकर क्रमशः 25,000 रुपये और 10,000 रुपये कर दिया गया है। नागरिक संस्था के संयुक्त संयोजक विश्वरंजन रे और सौम्य दत्ता ने दावा किया, यह प्रतिगामी निर्णय समावेशी बैंकिंग के सिद्धांत को कमजोर करता है। नागरिक संस्था ने इस निर्णय को तत्काल वापस लेने का आह्वान किया और सरकार से जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने और व्यापक वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने की अपील की।

शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे बढ़कर 87.50 पर पहुचा

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में आठ पैसे बढ़कर 87.50 पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी के चलते निवेशक रूस और अमेरिका के बीच आगामी वार्ता से संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रुपया सोमवार को मामूली बढ़त के साथ खुला। इसके अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.25 से 87.80 के दायरे में रहने की उम्मीद है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.56 पर खुला और 87.50 के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.58 पर स्थिर बंद हुआ था। इस बीच, वायदा कारोबार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 0.48 प्रतिशत गिरकर 66.27 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत गिरकर 98.07 पर था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,932.81 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया आयकर विधेयक 2025

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशों को शामिल करने के बाद संशोधित आयकर विधेयक 2025 पेश किया। यह विधेयक अपने मूल स्वरूप में फरवरी में पेश किया गया था और फिर समीक्षा के लिए संसदीय प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति ने 21 जुलाई को अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं। सीतारमण ने कहा कि यह विधेयक आयकर से संबंधित कानूनों को समेकित और संशोधित करने का प्रयास करता है और 1961 के अधिनियम का स्थान लेगा। सीतारमण ने आयकर से संबंधित कानून में संशोधन और इसे मजबूत बनाने के प्रावधान वाला आयकर (संख्यांक 2) विधेयक, 2025 पेश किया। उन्होंने कराधान अधिनियम (संशोधन) विधेयक, 2025 भी सदन में पेश किया। विधेयक के उद्देश्यों और कारणों में कहा गया है, ''प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशें सरकार द्वारा स्वीकार कर ली गई हैं। इसके अलावा, हितधारकों से ऐसे बदलावों के बारे में सुझाव प्राप्त हुए हैं जो प्रस्तावित कानूनी अर्थ को और अधिक सटीक रूप से व्यक्त करेंगे।'' सरकार ने गत 13 फरवरी को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 पेश किया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति ने इसमें कुछ बदलाव की सिफारिश की थी। उक्त विधेयक को शुक्रवार को सदन में वापस ले लिया गया। विधेयक के कथन में कहा गया है, ''मसौदे की प्रकृति, वाक्यांशों के संरेखण, परिणामी परिवर्तनों और परस्पर संदर्भों में सुधार किए गए हैं। इसलिए, सरकार ने प्रवर समिति की रिपोर्ट के अनुसार आयकर विधेयक, 2025 को वापस लेने का निर्णय लिया। परिणामस्वरूप, आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेने के लिए आयकर (संख्यांक 2) विधेयक, 2025 तैयार किया गया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पहले के मसौदे को वापस लिए जाने के बाद उठी आशंकाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि नए विधेयक की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि हर संशोधन को पेश करना और अलग–अलग सदन की मंजूरी लेना एक थकाऊ प्रक्रिया होती। भाजपा सदस्य बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली लोकसभा की प्रवर समिति ने 285 सुझाव दिए। आयकर विधेयक 2025 का उद्देश्य 60 वर्षों से अधिक समय से लागू कानून को अद्यतन और सरल बनाना है। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें डिजिटल कराधान, विवादों के समाधान हेतु प्रणालियाँ और तकनीकी व डेटा–संचालित विधियों के माध्यम से कर संग्रह का विस्तार करने की पहल के प्रावधान हैं। विधेयक के उद्देश्य अनुभाग में कहा गया है, ष्प्रवर समिति की लगभग सभी सिफ़ारिशें सरकार द्वारा स्वीकार कर ली गई हैं। इसके अलावा, हितधारकों से ऐसे बदलावों के बारे में सुझाव प्राप्त हुए हैं जो प्रस्तावित कानूनी अर्थ को और अधिक सटीक रूप से व्यक्त करेंगे। 31 सांसदों वाली प्रवर समिति ने जुलाई में 4,500 से ज़्यादा पृष्ठों में निष्कर्ष और सुझाव प्रस्तुत किए। रिपोर्ट के अनुसार, इन बदलावों में रिटर्न में देरी होने पर भी रिफंड का प्रावधान शामिल है, हालाँकि ये छोटे करदाताओं के लिए हैं। स्पष्टता के लिए श्गैर–निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए)श और श्मूल कंपनीश की परिभाषाओं में बदलाव किया गया है। समिति यह भी सुझाव देती है कि गुमनाम योगदान से गैर–सरकारी संगठनों और धर्मार्थ ट्रस्टों की कर छूट की पात्रता प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

2025 में शुभमन गिल समेत महज दो खिलाड़ी वनडे और टेस्ट, दोनों प्रारूपों में बने प्लेयर ऑफ द सीरीज

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच हालिया सीरीज में कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में दिखे। उन्होंने 10 पारियों में 75.40 की औसत से सबसे ज्यादा 754 रन बनाए। इनमें चार शतक शामिल हैं। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। वह इस साल अब तक उन दो खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें इस साल टेस्ट और वनडे, दोनों प्रारूप में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला है। उनके अलावा ऐसा करने वाले खिलाड़ी न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी हैं। इतना ही नहीं, गिल ने साल 2023 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन के मामले में भारत के दो दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता था। फरवरी में खेली गई वनडे सीरीज में गिल ने तीन पारियों में 86.33 की औसत से 259 रन बनाए थे। इसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए दो मैचों में 16 विकेट झटके। इनमें दो फाइव विकेट हॉल शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता था। उन्होंने तीन मैचों में नौ विकेट झटके थे। इनमें दो 4फर्स शामिल हैं। वहीं, साल 2023 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यानी तीनों प्रारूपों को मिलाकर गिल ने रोहित और कोहली, दोनों से ज्यादा रन बनाए हैं। गिल ने साल 2023 से अब तक तीनों प्रारूपों को मिलाकर 85 मैचों की 105 पारियों में 48.17 की औसत से 4577 रन बनाए हैं। इनमें 16 शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। वह इस अवधि में विश्व में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। गिल के बाद श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस का नंबर आता है। कामिंदु ने साल 2023 से अब तक 107 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 39.46 की औसत से 4341 रन बनाए हैं। इनमें सात शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, इंग्लैंड के जो रूट ने 53 मैचों की 77 पारियों में 54.75 की औसत से 3833 रन बनाए हैं। इनमें 13 शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, रोहित शर्मा ने साल 2023 से अब तक 71 मैचों की 87 पारियों में 39.70 की औसत से 3256 रन बनाए हैं। इनमें आठ शतक और 19 अर्धशतक शामिल हैं। जबकि विराट कोहली ने 66 मैचों की 77 पारियों में 43.49 की औसत से 3001 रन बनाए हैं। इनमें 10 शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। गिल हाल फिलहाल में बल्लेबाजी में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद बनकर उभरे हैं। यही वजह है कि चयनकर्ताओं ने उन पर टेस्ट में भरोसा जताते हुए कप्तानी सौंपी है। साथ ही वनडे में भी उपकप्तान नियुक्त किया गया है। रोहित और कोहली टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में कुछ समय बाद गिल वनडे में भी भारतीय टीम की कमान संभालते हुए दिख सकते हैं।

ODI वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भरी हुंकार, कहा-

हम मिथक तोड़ना चाहते हैं...

हरमनप्रीत कौर से सोमवार को कहा कि उनकी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे वनडे महिला विश्व कप में आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के प्रतिबद्ध है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी तक कोई विश्व खिताब नहीं जीत पाई है हालांकि, कुछ मौके बने लेकिन खिताब के करीब पहुंचते–पहुंचते असफलता हाथ लगी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर से सोमवार को कहा कि उनकी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे वनडे महिला विश्व कप में आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के प्रतिबद्ध है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी तक कोई विश्व खिताब नहीं जीत पाई है हालांकि, कुछ मौके बने लेकिन खिताब के करीब पहुंचते–पहुंचते असफलता हाथ लगी। इसमें 2017 में इंग्लैंड में खेला गया वनडे वर्ल्ड कप भी शामिल है जिसमें भारत उपविजेता रहा था। वहीं हरमनप्रीत ने वनडे वर्ल्ड कप ट्रॉफी के अनावरण समारोह में कहा कि, हम उस मिथक को तोड़ना चाहते हैं जिसका सभी भारतीय इंतजार कर रहे हैं। वर्ल्ड कप हमेशा खास होता है। मैं हमेशा अपने देश के लिए कुछ खास करना चाहती हूं। जब भी मैं युवी भैया (युवराज सिंह) को देखती हूं तो मुझे काफी प्रेरणा मिलती है। बता दें कि, इस मौके पर पूर्व भारतीय स्टार खिलाड़ी युवराज सिंह और हरमनप्रीत कौर की टीम के साथी भी मौजूद थे। फिलहाल, भारतीय टीम का हाल का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। उसने इंग्लैंड दौरे में टी20 और वनडे सीरीज जीती थी। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले वर्ल्ड कप से पहले 14 सितंबर से खिताब की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ तीन वनडे मैच की घरेलू सीरीज खेलेगी और हमरनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा। हरमनप्रीत ने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 171 रन की जोरदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। उस पारी की यादें अब भी उनके जेहन में ताजा हैं।

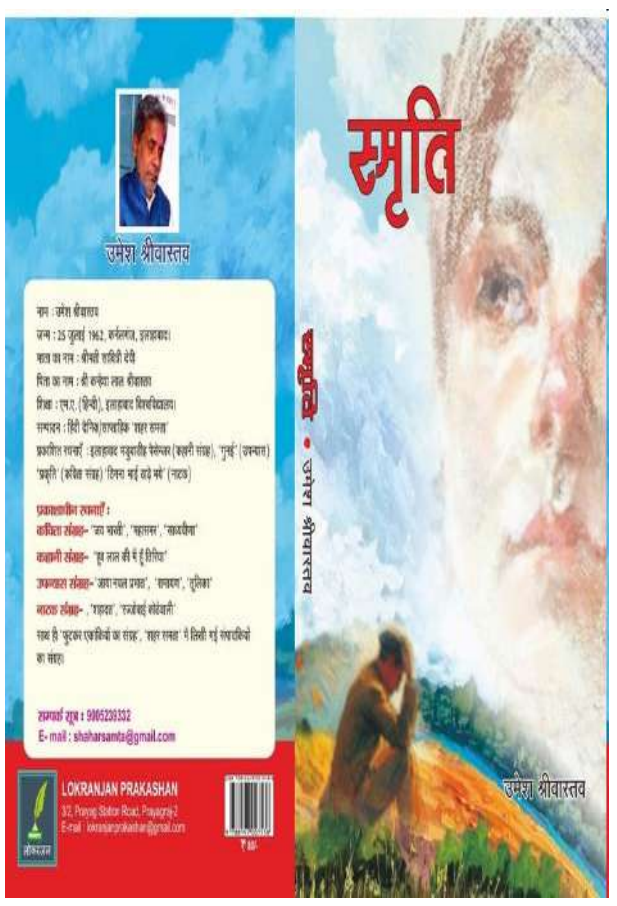

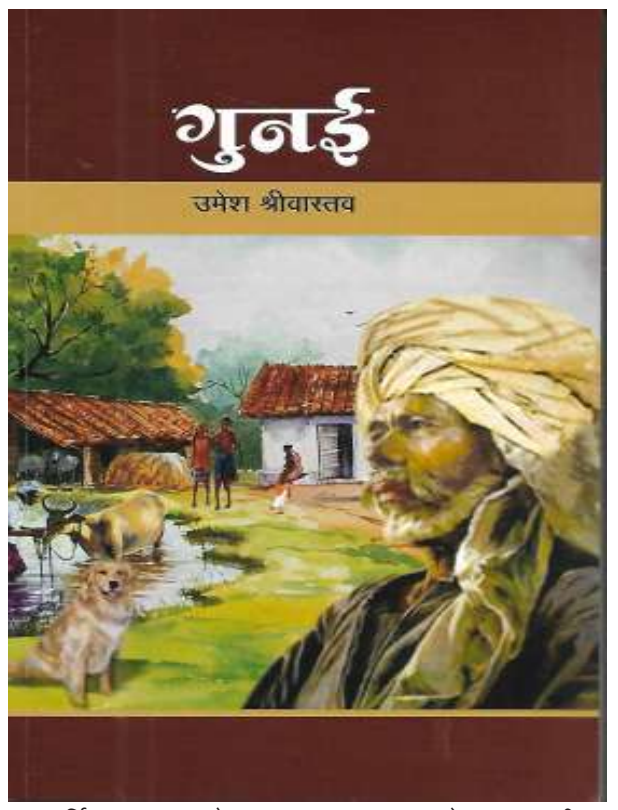

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

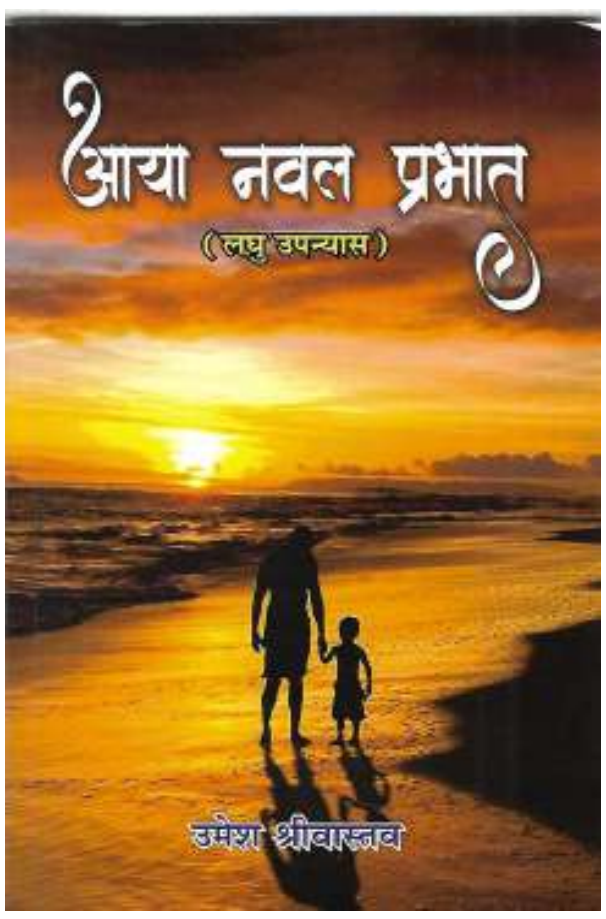

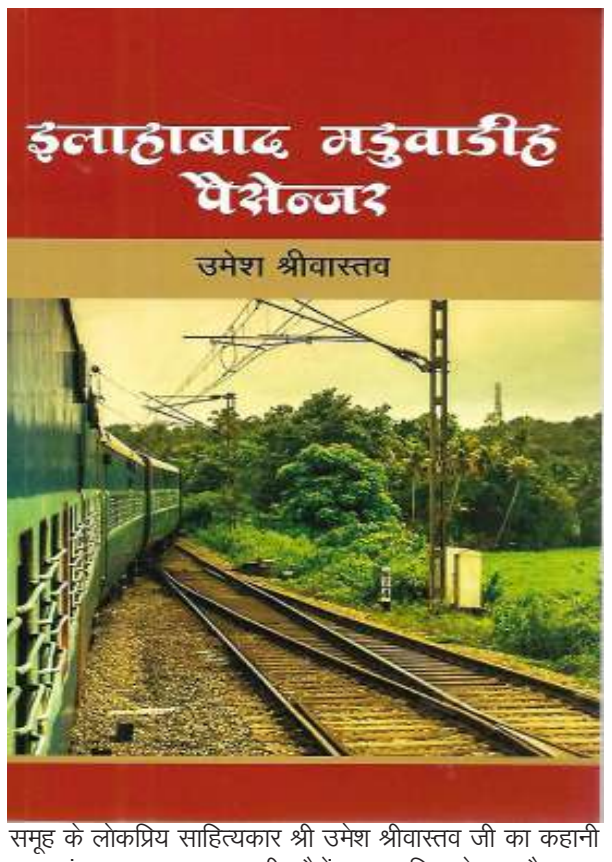

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

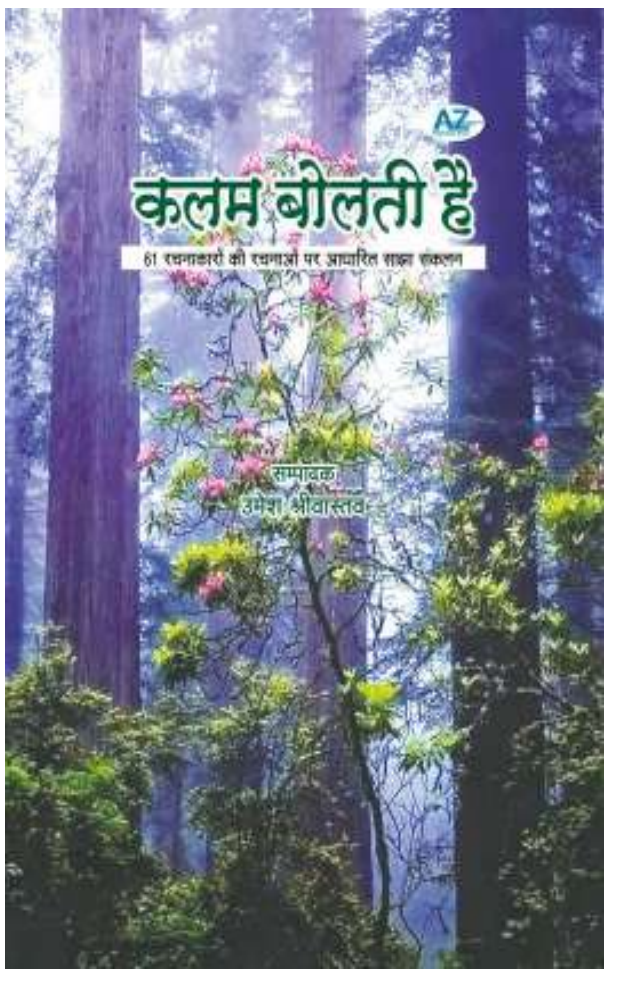

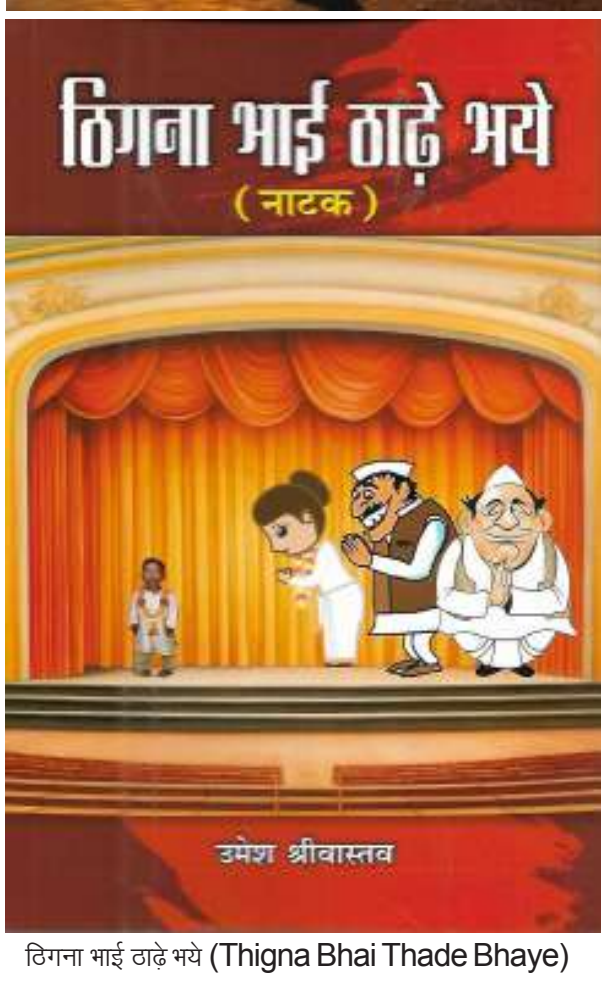

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

चीन पर क्या बड़ा फैसला लेने वाले हैं ट्रंप? जेडी वेंस ने कर दिया खुलासा

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प रूस से तेल खरीदने पर चीन पर शुल्क लगाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है। वेंस ने फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा कि राष्ट्रपति ने कहा है कि वह इस बारे में सोच रहे हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है। उपराष्ट्रपति ने यह टिप्पणी इस सवाल के जवाब में

की कि क्या ट्रंप भारत की तरह रूसी तेल खरीदने पर चीन पर भी शुल्क लगाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले बुधवार को रूसी तेल की खरीद पर भारत पर शुल्क दोगुना करके 50: करने की घोषणा की थी। वेंस ने कहा कि जाहिर है कि चीन का मुद्दा थोड़ा अधिक जटिल है, क्योंकि चीन के साथ हमारे संबंध कई अन्य चीजों को प्रभावित करते हैं, जिनका रूसी स्थिति से कोई लेना–देना नहीं है। अमेरिका ने शुरुआत में भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया था। हालाँकि, पिछले हफ़्ते उसने रूसी तेल की ख़रीद के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का और शुल्क लगा दिया, जिससे कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया, जो अमेरिका के साथ व्यापार करने वाले देशों में सबसे ज़्यादा है। यह अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा। भारत ने अमेरिका के इस कदम की निंदा करते हुए इसे अनुचित, अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली आगामी बैठक पर भी बात की और कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत से कोई भी समझौता किसी भी पक्ष को संतुष्ट करने की संभावना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी शांति समझौते से मॉस्को और कीव दोनों ही नाखुश होंगे। वेंस ने कहा कि इससे कोई भी बहुत ज़्यादा खुश नहीं होगा। रूसी और यूक्रेनी, दोनों ही, शायद, अंततः इससे नाखुश होंगे।

पुतिन संग बैठक से पहले खड़ा हुआ नया बखेड़ा, जेलेंस्की ने ट्रंप को किया बेइज्जत

डोनाल्ड ट्रंप जिसको हथियार पहुंचा रहे थे और मसीहा बन रहे थे अब उन्हीं ने ही ट्रंप की मुसीबत खड़ी कर दी है। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप के लिए आगे का रास्ता उस वक्त कठिन कर दी जब पुतिन, ट्रंप और जेलेंस्की की अमेरिका के एक राज्य में बैठक होनी थी। उस बैठक में रूस यूक्रेन के बीच युद्ध रुकवाने को लेकर सहमति बननी थी। लेकिन इस दौरान ट्रंप की तरफ से कुछ शर्तें ठोक दी गई कहा गया कि यूक्रेन और रूस में एक दूसरे की जमीन कब्जाई है वो वापस करनी होगी। लेकिन ऐसे में जेलेंस्की ने दो टूक ट्रंप आंख दिखाते हुए कह दिया है कि वो इस जमीन की वापसी के लिए कभी सहमत नहीं होंगे और न ही कभी इस मुद्दे पर सहमति बनाएंगे। पुतिन ट्रंप की बैठक से पहले जेलेंस्की ने साफ चेतावनी दी है कि वे रूस को युद्ध में किए गए यूक्रेन इलाके सौंपने को कतई मंजूरी नहीं करेंगे। यानी यूक्रेन ने जो कब्जा किया है वो कब्जा नहीं छोड़ा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक तीन साल से ज्यादा के इस महायुद्ध में रूसी सेना यूक्रेन के 20 प्रतिसत से ज्यादा हिस्से पर कब्जा कर चुकी है। ट्रंप ने भी संकेत दिया था कि कब्जा किए यूक्रेनी हिस्सों को रूस को देने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यानी ट्रंप चाहते हैं जो हिस्सा रूस ने कब्जा किया है यूक्रेन उसे पूरी तरह से सौंप दे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 15 अगस्त को मुलाकात करेंगे। तीनों नेताओं के बीच बैठक होनी है।पुतिन और ट्रंप की अमेरिका के अलास्का राज्य में मुलाकात होगी। पुतिन 10 साल बाद इस मुलाकात के लिए अमेरिका पहुंचेंगे। कहा जा रहा है कि इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य इस जंग को कैसे खत्मन किया जाए। इस पर चर्चा करना है। लेकिन अब इस चर्चा के शुरू होने से पहले ही नया बवाल हो गया है।

तुर्किये में 6.1 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें ढहीं

तुर्किये के उत्तर–पश्चिमी प्रांत बालिकेसिर में रविवार को 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे करीब एक दर्जन इमारतें ढह गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इन इमारतों के ढहने से इनके मलबे में कम से कम दो लोग फंस गए हैं। भूकंप का केंद्र सिंदिरगी था और इसके झटके लगभग 200 किलोमीटर दूर इस्तांबुल शहर तक महसूस किये गये, जहां की आबादी 1.6 करोड़ से अधिक है।सिंदिरगी के महापौर सेरकन साक ने तुर्किये के सामचार पत्र 'हैबरटर्क' को बताया कि कस्बे में भूकंप के कारण कई इमारतें ढह गई हैं और यहां से चार लोगों को बचा लिया गया है जबकि बचावकर्मी दो अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पास के गोलकुक गांव में भी कई घर ढह गए। गांव में एक मस्जिद की मीनार भी गिर गई। तुर्किये की आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि भूकंप के बाद कई कम तीव्रता के झटके महसूस किये गये, जिनमें से एक की तीव्रता 4.6 थी। एजेंसी ने नागरिकों से क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश न करने का आग्रह किया। तुर्किये भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

15 अगस्त को जब भारत मना रहा होगा अपना स्वतंत्रता दिवस, पूरे लाव लश्कर के साथ शेर की तरह अमेरिका में घुसेंगे पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शेर की तरह अमेरिका में घुसने वाले हैं। 15 अगस्त को जब भारत अपना स्वतंत्रता दिवस मना रहा होगा तो उस वक्त पुतिन पूरे लाव लश्कर के साथ अलास्का में डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात करने जा रहे हैं। जिससे यूक्रेन के साथ चल रही जंग का कोई समाधान निकाला जा सके। मगर इस बड़ी मुलाकात का सबसे बड़ा असर भारत पर पड़ेगा और भारत ने भी इस ऐतिहासिक मुलाकात से पहले अचानक पूरा खेल पलट दिया है। यूक्रेन वॉर और टैरिफ वॉर के बीच पुतिन और ट्रंप का आमना सामना अमेरिका के अलास्का में हो रहा है। अलास्का रूस से 88 किलोमीटर दूर है और अब अमेरिका का हिस्सा बन चुका है। 1741 में रूसी खोजकर्ताओं ने अलास्का की खोज की थी। उसी के बाद रूस ने अलास्का पर दावा कर दिया था। लेकिन 1799 में रूस के साथ साथ अमेरिका ने भी अलास्का पहुंचकर वहां व्यापार शुरू कर दिया। लेकिन 1857 आते आते रूस को अलास्का में व्यापारिक घाटा होना शुरू हो गया। जिसके कारण 1867 में 72 मिलियन डॉलर में अलास्का अमेरिका को बेच दिया। अब इसी अलास्का में पुतिन और ट्रंप आमने सामने होंगे।

अलास्का को क्यों चुना गया?

इस जगह को इसलिए चुना गया क्योंकि ये है तो अमेरिका में लेकिन रूस के भी काफी नजदीक है। इसके अलावा अलास्का को चुनने की एक बड़ी वजह है कि अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा है। गिरफ्तारी वारंट इटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने जारी किया था क्योंकि उसी लगता है कि पुतिन ने यूक्रेन में वॉर क्राइम किए हैं। दुनिया के 124 देश इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य हैं। ऐसे में इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट से सजा पाया व्यक्ति अगर इन 124 देशों में से कहीं भी पकड़ा जाता है तो उसे फौरन नीदरलैंड में स्थित इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के हेडक्वार्टर में भेजना जरूरी है। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि चीन, साउथ कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और भारत समेत कई देश आईसीसी के सदस्य नहीं हैं। इसलिए पुतिन ने अमेरिका के अलास्का को चुना।

पुतिन–ट्रंप मीटिंग से पहले भारत ने खेला बड़ा दांव

भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली बैठक का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इससे यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को समाप्त करने में मदद मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत 15 अगस्त 2025 को अलास्का में होने वाली बैठक के लिए अमेरिका और रूसी संघ के बीच बनी सहमति का स्वागत करता है। यह बैठक यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को समाप्त करने और शांति की संभावनाओं को खोलने का वादा करती है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर कहा है, यह युद्ध का युग नहीं है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि पुतिन के साथ बहुप्रतीक्षित बैठक अगले शुक्रवार को ग्रेट स्टेट ऑफ़ अलास्का में होगी, जिसके बारे में आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी।

भारत को इस मीटिंग से क्या फायदा होगा

अगर पुतिन और ट्रंप की इस बैठक में यूक्रेन जंग पर कोई बड़ा फैसला हो जाता है तो भारत की मुश्किलें आसान हो जाएंगी। ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसमें से 25प्रतिशत टैरिफ का आधार तो केवल रूस से तेल खरीदना बताया गया है। ऐसे में अगर ये जंग खत्म हो जाती है तो भारत पर टैरिफ लगाने का कोई आधार ही नहीं बचता है। हालांकि 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा रह सकता है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बदले भारत के बाजार में एंट्री मांगी है।

इजरायल के सिर पर खून सवार? रिपोर्टिंग कर रहे थे पत्रकार, अचानक बरसने लगी गोलियां

पूर्वी गाजा शहर में अल–शिफा अस्पताल के बाहर पत्रकारों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे एक तंबू पर हुए इज़राइली हवाई हमले में मारे गए अल जज़ीरा के पाँच पत्रकारों और उनके एक सहायक सहित 28 वर्षीय अनस अल शरीफ़ भी शामिल थे। हालाँकि, इज़राइली सेना ने खुफिया जानकारी और ज़ब्त किए गए दस्तावेज़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि अल शरीफ़ हमास सेल का एक नेता था जो इज़राइली नागरिकों और सैनिकों पर रॉकेट हमलों को बढ़ावा देने के लिए ज़िम्मेदार था। अल जजीरा ने कहा कि अनस अल शरीफ और उनके सहयोगी गाजा में बची हुई उन आखिरी आवाजों में से हैं जो दुनिया को दुखद वास्तविकता से अवगत करा रहे हैं। अल शरीफ के एक्स अकाउंट, जिसके 500,000 से अधिक फॉलोअर्स हैं, से पता चला कि वह अपनी मौत से कुछ मिनट पहले गाजा शहर में भीषण बमबारी के बारे में अपडेट पोस्ट कर रहा था। अल जज़ीरा ने इज़राइल के आरोपों को निराधार बताते हुए इस हमले को गाज़ा पर कब्ज़े से पहले आवाज़ों को दबाने की एक हताश कोशिश बताया। पत्रकारों की सुरक्षा समिति (सीपीजे) ने कहा कि इज़राइल बिना किसी विश्वसनीय सबूत के पत्रकारों को आतंकवादी करार देने का एक ढंग अपनाता है। संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत इरीन खान ने पहले चेतावनी दी थी कि अल शरीफ़ की रिपोर्टिंग के कारण उनकी जान को ख़तरा है। मध्य पूर्व और उत्तरी अफ़्रीका के लिए सीपीजे की निदेशक सारा कुदा ने कहा कि बिना किसी विश्वसनीय सबूत के पत्रकारों को आतंकवादी करार देने का इज़राइल का तरीका उसकी मंशा और प्रेस की आज़ादी के प्रति सम्मान पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अल शरीफ़ ने अपनी मृत्यु की स्थिति में पोस्ट करने के लिए एक सोशल मीडिया संदेश छोड़ा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने बिना किसी तोड़–मरोड़ या ग़लत बयानी के, सच को ज्यों का त्यों बताने में कभी संकोच नहीं किया। हमास द्वारा संचालित गाजा मीडिया कार्यालय के अनुसार, 7 अक्टूबर, 2023 को युद्ध शुरू होने के बाद से 237 पत्रकार मारे गए हैं। सीपीजे ने मृतकों की संख्या कम से कम 186 बताई है। हमास ने कहा कि पत्रकारों की हत्या एक बड़े इजरायली हमले की प्रस्तावना है।

विदेशी अपराधियों को सजा मिलते ही देश वापस भेजेगा ब्रिटेन, डिपोर्ट के बाद होगी अपील; सूची में भारत शामिल

लंदन। ब्रिटेन ने विदेशी अपराधियों पर सख्ती बढ़ाते हुए अपनी 'डिपोर्ट नाऊ अपील लेटर' योजना का दायरा तीन गुना कर दिया है। इस नई सूची में भारत भी शामिल हो गया है, जिसके तहत अपराधियों को सजा मिलने के बाद अपील से पहले ही देश

से बाहर भेज दिया जाएगा। यूके का कहना है कि यह कदम उनके इमीग्रेशन सिस्टम के दुरुपयोग को रोकने और सुरक्षा मजबूत करने के लिए उठाया गया है। यूके होम ऑफिस के मुताबिक, पहले यह योजना केवल 8 देशों पर लागू थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 23 देशों तक कर दिया गया है। भारत के अलावा इस सूची में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, केन्या, लेबनान, मलेशिया और कई अन्य देश शामिल किए गए हैं। इस योजना के तहत, अपराधियों को अपने देश से वीडियो लिंक के जरिए अपील करने का मौका मिलेगा, लेकिन वे यूके में रहकर यह प्रक्रिया नहीं कर पाएंगे।

क्या बोले ब्रिटेन के गृह मंत्री?

ब्रिटेन की गृह मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि लंबे समय से विदेशी अपराधी अपील प्रक्रिया खींचकर यूके में वर्षों तक रुक जाते हैं, जिससे टैक्सपेयर पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अब इस सिस्टम में सुधार करते हुए स्पष्ट संदेश दिया जा रहा है कि कानून का सम्मान होना चाहिए और अपराधियों को तुरंत उनके देश भेजा जाएगा। विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि इस योजना से सड़कों को सुरक्षित बनाने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने में मदद मिलेगी।

आंकड़े और कड़े कानून

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई 2024 से अब तक करीब 5,200 विदेशी नागरिकों को यूके से निकाला गया है, जो पिछले साल की तुलना में 14: अधिक है। नए कानून के तहत, अधिकांश विदेशी अपराधियों को अब केवल 30: सजा काटने के बाद ही देश से बाहर भेजा जा सकेगा। आतंकवादियों, हत्यारों और उम्रकैद की सजा भुगत रहे अपराधियों पर यह नियम लागू नहीं होगा।

प्रभाव और भविष्य की कार्रवाई

यूके सरकार ने पांच मिलियन पाउंड खर्च कर 80 जेलों में विशेषज्ञ स्टाफ की तैनाती की है, ताकि तेजी से अपराधियों को निकाला जा सके। नए कानून से यह भी तय किया गया है कि ऐसे अपराधियों को वापस यूके में प्रवेश करने से हमेशा के लिए रोक दिया जाएगा। संसद में अगले सत्र में इस कानून को औपचारिक रूप से लागू करने की योजना है।

समलैंगिक जोड़े को सरेआम 80 कोड़े मारने की सजा, इंडोनेशिया की शरिया अदालत का फैसला

जकार्ता। इंडोनेशिया के रूढ़िवादी अकेह प्रांत में एक शरिया अदालत ने समलैंगिक जोड़े को सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारने की सजा सुनाई। सजा के तहत दोनों पुरुषों को यौन कृत्य में शामिल होने के लिए 80–80 कोड़े मारे जाएंगे। अकेह में शरिया कानून लागू है और समलैंगिक संबंधों की इजाजत नहीं है। अकेह की इस्लामी धार्मिक पुलिस ने आरोपी जोड़े को यौन कृत्य करते हुए पकड़ा और अब शरिया अदालत ने दोनों को सजा सुनाई है। अकेह की राजधानी बांदा में स्थित इस्लामी शरिया अदालत ने बंद दरवाजों के पीछे सुनवाई की। अगर मामला व्याभिचार से जुड़ा है तो शरिया अदालत को अधिकार है कि वह सुनवाई में लोगों की पहुंच को सीमित कर सकती है। क्या है मामला : रिपोर्ट्स के अनुसार, 20 और 21 साल के दो पुरुषों को अप्रैल में गिरफ़्तार किया गया था। दोनों बांदा के एक सार्वजनिक पार्क के शौचालय में साथ जाते देखे गए थे। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी इस्लामी धार्मिक पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शौचालय का दरवाजा तोड़ा तो कथित तौर पर दोनों आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। अकेह को मुस्लिम बहुल इंडोनेशिया के अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक रूढ़िवादी माना जाता है और यह एकमात्र राज्य है जहां इस्लामी शरिया कानून लागू है। सोमवार को अकेह की शरिया अदालत द्वारा दिया गया फैसला, समलैंगिकता के लिए सार्वजनिक रूप से कोड़े मारने की सजा का पांचवां मामला है। साल 2015 में अकेह में इस्लामी कानून लागू किए गए थे। इस्लामी कानून लागू करने के लिए अकेह में लंबे समय तक अलगाववादी विद्रोह हुआ। इस विद्रोह को खत्म करने के लिए इंडोनेशिया की सरकार ने अकेह को इस्लामी कानून लागू करने की रियायत दी थी।

पीओके के गिलगित–बाल्टिस्तान में बाढ़ की तबाही, भूस्खलन में नौ लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित क्षेत्र में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई हुई है। गिलगित बालटिस्तान के दान्योर नाला इलाके में रविवार रात हुए भूस्खलन में नौ लोगों की मौत की खबर है। भूस्खलन की चपेट में आए लोग एक क्षतिग्रस्त नहर की मरम्मत के काम में जुटे थे। इसी दौरान मिट्टी का एक बड़ा ढेर मजदूरों पर गिर गया, जिसमें दबकर कई की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए।

नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई

पुलिस ने बताया कि घटना के बाद स्थानीय अस्पतालों में आपात स्थिति घोषित कर दी गई है और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अस्पताल के अधिकारियों ने नौ लोगों की मौत की पुष्टि की है और आशंका जताई है कि अभी और लोग मलबे में फंसे हो सकते हैं। एक अन्य घटना में, बीते शुक्रवार को शिशपर ग्लेशियर से एक हिमनद झील में गिर गया, जिससे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अचानक बाढ़ आ गई। इस बाढ़ में पाकिस्तान को चीन से जोड़ने वाला कराकोरम राजमार्ग का एक हिस्सा बह गया।

पीने के पानी की व्यवस्था हुई तबाह

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ से सुरक्षा दीवार तबाह हो गई और बाढ़ का पानी खेतों में भर गया। साथ ही 50 से ज्यादा घर भी खतरे में आ गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हसनाबाद नल्ला में साल 2018 के बाद ये सबसे भीषण बाढ़ आई है। बाढ़ से सिंचाई और पीने के पानी की व्यवस्था को नुकसान हुआ है। इससे हजारों लोग पीने के पानी से भी मोहताज हो गए हैं। हुनजा के अलियाबाद और नजदीकी गांवों की बड़ी आबादी का मुख्य सड़क से कनेक्शन कट गया है। बाढ़ से नगर खास में हॉपर घाटी का रास्ता अवरुद्ध हो गया है। पुल के टूटने से कई इलाके मुख्य इलाकों से कट गए हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बार–बार आने वाली हीटवेट और तापमान में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के चलते ग्लेशियरों के पिघलने की गति तेज हो गई है, जिससे क्षेत्र में बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएं बढ़ गई हैं।

वॉशिंगटन में बेघरों और अपराधियों पर ट्रंप सख्त, नेशनल गार्ड की कर सकते हैं तैनाती

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी वाशिंगटन में बेघरों और अपराधियों से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में संकेत दिए कि बेघरों को घर दिया जाएगा और अपराधियों को जेल में डाला जाएगा। जिस पर शहर के मेयर ने चिंता जाहिर की और राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर गश्त के लिए नेशनल गार्ड के संभावित इस्तेमाल पर असहमति जाहिर की।

अपराधियों को जेल जाना होगा

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि श्उन्होंने सोमवार सुबह 10 बजे व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की योजना बनाई है, जिसमें डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया को पहले से कहीं ज़्यादा सुरक्षित और सुंदर बनाने की योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। बेघरों को तुरंत बाहर जाना होगा। हम आपको रहने के लिए जगह देंगे, लेकिन राजधानी से बहुत दूर।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।